केवल आप के लिये
गांव–गांव शहर–शहर देश दुनियां में अपनों तक पहुंचाना है तो भारतीय बस्ती दैनिक वेब www.bhartiyabasti.com और उसका छपा संस्करण सबसे बेहतर माध्यम
सम्पर्क-bhartiyabasti@gmail.com
मो0 9450567450| 9336715406

दैनिक
भारतीय बस्ती

भारतीय बस्ती
www.bhartiyabasti.com के लिये विज्ञापन बुक कराये। विचार, प्रचार का सशक्त माध्यम सम्पर्क
मो0 9450567450
9336715406
भारतीय बस्ती आमंत्रण मूल्य 2रूपया

R.N.I. 38784/81 डाक पंजीकरण सं0 B.S.T 59 बस्ती, वर्ष :46 अंक 265 गुरूवार 24 अप्रैल 2025 (बस्ती संस्करण) बस्ती एवं अयोध्या–फैजाबाद से एक साथ प्रकाशित पृष्ठ :4मूल्य:3.00 रुपया www.bhartiyabasti.com

एक नजर

मुठभेड में 2 शातिर चोर गिरफ्तार

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती । वाल्टरगंज पुलिस ने जनपद में बढ़ती चोरी की घटनाओं पर कार्रवाई करते हुए दो शातिर चोरों को गिरफ्तार किया है। वाल्टरगंज पुलिस को चेकिंग के दौरान एक संदिग्ध युवक अजय चौहान मिला। पूछताछ में उसने चोरी की बात कबूल की। माल बरामदगी के लिए जब पुलिस टीम अजय को नहर पुलिया के पास ले गई, तब उसने झाड़ियों में छिपाए अवैध हथियार से पुलिस पर फायरिंग कर दी। एक सिपाही बाल–बाल बच गया। जवाबी कार्रवाई में पुलिस की गोली अजय के दाहिने पैर में लगी। घायल अजय को जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। उसकी निशानदेही पर पुलिस ने उसके एक साथी को भी गिरफ्तार कर लिया। दोनों के पास से एक दर्जन मोबाइल, बड़ी मात्रा में आभूषण और एक बाइक बरामद हुई है।

सीओ सिटी सत्येंद्र भूषण तिवारी ने बताया कि अजय झपटा मारकर चोरी करने में संलिप्त था। पुलिस जब उसे रोकने लगी तो वह भागने की फिराक में था। दोनों आरोपियों के खिलाफ आगे की कार्रवाई की जा रही है।

फ्रेशर पार्टी का आयोजन

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती । क्षेत्रीय सेवायोजन कार्यालय व प्रद्युम्न सिंह एस पी एस कॉलेज ऑफ फार्मेसी के तत्वावधान में फार्मेसी प्रथम वर्ष के बच्चों का करियर काउंसलिंग व फ्रेशर पार्टी का आयोजन कर्मा देवी शैक्षिक संस्थान में किया गया, जिसमें मुख्य अतिथि जिला सेवायोजन अधिकारी अवधेन्द्र प्रताप वर्मा और संस्थान के संस्थापक व पूर्व आई.ए.एस. अधिकारी रह चुके ओमनारायण सिंह जी रहें।

कार्यक्रम में जिला सेवायोजन अधिकारी ने बच्चों को संबोधित करते हुए बताया कि आज के समय में बच्चों को तकनीकी से जुड़कर पढ़ाई करनी चाहिए। साथ ही उन्होंने बताया कि विगत वर्षों की भांति इस बार भी कैंपस प्लेसमेंट सरकारी संस्थाओं द्वारा कराया जाएगा।। कार्यक्रम के दौरान सभी छात्र–छात्राएं उपस्थित रहे।

रक्तदान शिविर 24 को

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। मानव एकता दिवस पर निरंकारी भक्तों द्वारा 24 अप्रैल को युग प्रवर्तक बाबा गुरबचन सिंह जी की स्मृति में रक्तदान शिविर का आयोजन संत निरंकारी सत्संग भवन निकट पाण्डेय बाजार डुमरियागंज रोड पर किया गया है। यह जानकारी संत निरंकारी मंडल बस्ती के मुखी लालमन चौधरी ने दी है।

लोक अदालत 10 मई को

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती । राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन आगामी 10 मई 2025 को जनपद न्यायाधीश विनय कुमार द्विवेदी के निर्देशन में जनपद न्यायालय परिसर, कलेक्ट्रेट मुख्यालय एवं समस्त तहसील मुख्यालयों में किया जायेगा। उक्त जानकारी देते हुए अपर जिला जज• सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण अनिल कुमार •पअ ने बताया है कि अधिक से अधिक वादों को चिन्हित कर सुलह–समझौते के आधार पर निस्तारण करायें।

आतंकवादियों को मिलेगा मुंहतोड़ जबाब

नई दिल्ली/श्रीनगर। सुरक्षा और इंटेलिजेंस एजेंसियों ने पहलगाम अटैक के संदिग्ध आतंकियों के स्केच जारी किए हैं। इनके नाम आसिफ फौजी, सुलेमान शाह और अबु तल्हा बताए गए हैं। इंटेलिजेंस सूत्रों ने बताया कि हमले का मास्टर माइंड लश्कर–ए तैयबा का डिप्टी चीफ सैफुल्लाह खालिद है, जो पाकिस्तान में मौजूद है। इधर, नेशनल इन्वेस्टिगेशन एजेंसी (एनआईए) भी जांच के लिए पहलगाम पहुंच गई है। शुरुआती जांच में पता चला है कि हमले में 5 आतंकी शामिल थे। इनमें से दो लोकल और 3 पाकिस्तानी आतंकी थे। पुलिस ने पूछताछ के लिए सैकड़ों लोगों को हिरासत में लिया है। हमले की जिम्मेदारी लश्कर–ए–तैयबा के प्रॉक्सी विंग द रजिस्टेंस फ्रंट ने ली है। इस बीच, पाकिस्तान के डिफेंस मिनिस्टर ख्वाजा आसिफ ने कहा कि इस हमले में हमारा कोई हाथ नहीं है।

सुरक्षा मामलों पर कैबिनेट की बैठक प्रधानमंत्री आवास में हुई । बैठक में गृह मंत्री अमित शाह, रक्षा मंत्री राजनाथ एनएसए अजित डोभाल मौजूद रहे। भारत आतंकवादियों को मुंहतोड़ जबाब देने की तैयारी में है।

पहलगाम में मंगलवार दोपहर हुए आतंकवादी हमले में 27 लोगों की मौत हो गई। 20 से ज्यादा लोग घायल हैं। जम्मू–कश्मीर में 14 फरवरी 2019 को हुए पुलवामा अटैक के बाद ये सबसे बड़ा हमला है। सुरक्षा एजेंसियों ने पहलगाम हमले के संदिग्ध आतंकियों के स्केच जारी किए हैं। एजेंसियों ने हमले के चश्मदीदों की मदद से ये स्केच बनाए हैं। एजेंसियों के सूत्रों ने बताया कि इस हमले में आसिफ फौजी, सुलेमान शाह और अबु तल्हा शामिल थे। हालांकि, कौन सी तस्वीर किसकी है, यह साफ नहीं हो पाया है।

इंटेलिजेंस सूत्रों ने बताया कि पहलगाम अटैक में तीन फॉरेन टेररिस्ट और दो लोकल आतंकी शामिल थे। सूत्रों ने कहा कि पहलगाम हमले का मास्टर माइंड सैफुल्लाह खालिद है। यह पाक अधिकृत कश्मीर से ऑपरेट करता है। इसकी लोकेशन रावलकोट बताई गई है।

घायल युवक की मौत

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। हरैया थानाक्षेत्र के हाईवे पर विगत 15 अप्रैल की शाम हरैया ओवरब्रिज के पास अज्ञात वाहन की ठोकर से बाइक सवार मनोज कुमार चौहान निवासी नारायनपुर घायल हो गए थे। सूचना पर पहुंचे परिजनों ने सीएचसी हर्रैया में भर्ती किया था, जहां से चिकित्सकों ने जिला अस्पताल बस्ती रेफर कर दिया था। सिर में गंभीर चोट लगने से चिकित्सकों ने मेडिकल कॉलेज लखनऊ को रेफर कर दिया था। इलाज के दौरान लखनऊ मेडिकल कॉलेज में मनोज की मौत हो गई। मनोज की डेढ़ वर्ष पूर्व शादी हुई थी। पत्नी रूबी पर विपत्तियों का पहाड़ टूट पड़ा। मनोज को 6 माह का बेटा रूद्र है।

कृष्ण कुमार संगठन मंत्री अभिनय मण्डल अध्यक्ष बने

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। राष्ट्रीय अल्प बचत अभिकर्ता संघ जिला इकाई की एक आवश्यक बैठक बुधवार को संघ के संरक्षक रामशंकर मिश्र की अध्यक्षता में स्थानीय प्रधान डाकघर के प्रांगण में संपन्न हुई। बैठक में अभिकर्ताओं की समस्या तथा उसके समाधान पर चर्चा होने के साथ–साथ नई कार्यकारिणी का गठन किया गया। संरक्षक श्री मिश्र ने नई कार्यकारिणी के बारे में जानकारी देते हुए बताया कि सूर्य प्रकाश पाण्डेय को अध्यक्ष, पूजा श्रीवास्तव को महामंत्री, अरुण श्रीवास्तव व नीलम यादव को उपाध्यक्ष, प्रदीप श्रीवास्तव को कोषाध्यक्ष, अर्चना गुप्ता मनोज तिवारी, शीला पाठक वह श्रीकांत शुक्ला को मंत्री तथा बीना श्रीवास्तव को मीडिया प्रभारी बनाया गया। श्री मिश्र ने बताया कि इसके अलावा पोस्ट ऑफिस के अभिकर्ता आनंद श्रीवास्तव राम अचल, राम सजीवन शारदा जायसवाल, आशा श्रीवास्तव, इंद्र बहादुर, संध्या श्रीवास्तव व सुमित्रा देवी को संगठन में महत्वपूर्ण जिम्मेदारी दी गई। इस दौरान संजय श्रीवास्तव, योगेश, रविंद्र नाथ तिवारी, सुभावती तिवारी, पूनम श्रीवास्तव, फखरुद्दीन, लक्ष्मी शुक्ला , गणेश उपाध्याय, प्रमोद कुमार, निशा श्रीवास्तव, शिखा श्रीवास्तव, कंचन बाला सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

–समाज में श्रीराम के विचारों की स्थापना लक्ष्य– राजेन्द्र बहादुर

बस, डीसीएम भिड़ंत में एक की मौत

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। बस्ती–अयोध्या फोरलेन पर जिले के नगर थानांतर्गत बसहवा के पास मंगलवार/बुधवार की देर रात करीब दो बजे डीसीएम व बस में भिड़ंत हो गई। हादसे में क्षतिग्रस्त डीसीएम के केबिन में चालक फंस गया। सूचना पर प्रभारी निरीक्षक नगर देवेंद्र सिंह के अलावा फायर ब्रिगेड की टीम भी मौके पर पहुंची। लेकिन तब तक डीसीएम चालक ने दम तोड़ दिया। क्रेन बुलाकर व फायर सर्विस की मदद से पुलिस ने डीसीएम में फंसे शव को बाहर निकलवाया और पोस्टमार्टम के लिए भिजवाया। बताया जा रहा है कि पडरौना डिपो की बस मंगलवार की देर लखनऊ से गोरखपुर की तरफ आ रही थी।

वहीं डीसीएम गोरखपुर से बाराबंकी की तरफ से जा रही थी। देर रात करीब दो बजे बसहवा फलाईओवर के पास दोनों वाहनों में आमने–सामने भिड़ंत हो गई है। हादसे में डीसीएम चालक शान मोहम्मद पुत्र मो. शकील निवासी हेतमपुर जिला बाराबंकी की मौत हो गई। जबकि बस चालक झमन प्रसाद पुत्र स्व. जगदीश प्रसाद निवासी नेबुआ नौरंगिया कुशीनगर को हल्की छोटे आई हैं। उन्हें एंबुलेंस के माध्यम से जिला अस्पताल भिजवाया गया। बस में सवार यात्रियों को दूसरे वाहन से गन्तव्य के लिए रवाना किया गया। प्रभारी निरीक्षक नगर देवेंद्र सिंह ने बताया कि मृतक के परिजनों को घटना की सूचना दे दी गई है।

राष्ट्रीय अल्प बचत अभिकर्ता संघ कार्यकारिणी का गठन

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। राष्ट्रीय अल्प बचत अभिकर्ता संघ जिला इकाई की एक आवश्यक बैठक बुधवार को संघ के संरक्षक रामशंकर मिश्र की अध्यक्षता में स्थानीय प्रधान डाकघर के प्रांगण में संपन्न हुई। बैठक में अभिकर्ताओं की समस्या तथा उसके समाधान पर चर्चा होने के साथ–साथ नई कार्यकारिणी का गठन किया गया। संरक्षक श्री मिश्र ने नई कार्यकारिणी के बारे में जानकारी देते हुए बताया कि सूर्य प्रकाश पाण्डेय को अध्यक्ष, पूजा श्रीवास्तव को महामंत्री, अरुण श्रीवास्तव व नीलम यादव को उपाध्यक्ष, प्रदीप श्रीवास्तव को कोषाध्यक्ष, अर्चना गुप्ता मनोज तिवारी, शीला पाठक वह श्रीकांत शुक्ला को मंत्री तथा बीना श्रीवास्तव को मीडिया प्रभारी बनाया गया। श्री मिश्र ने बताया कि इसके अलावा पोस्ट ऑफिस के अभिकर्ता आनंद श्रीवास्तव राम अचल, राम सजीवन शारदा जायसवाल, आशा श्रीवास्तव, इंद्र बहादुर, संध्या श्रीवास्तव व सुमित्रा देवी को संगठन में महत्वपूर्ण जिम्मेदारी दी गई। इस दौरान संजय श्रीवास्तव, योगेश, रविंद्र नाथ तिवारी, सुभावती तिवारी, पूनम श्रीवास्तव, फखरुद्दीन, लक्ष्मी शुक्ला , गणेश उपाध्याय, प्रमोद कुमार, निशा श्रीवास्तव, शिखा श्रीवास्तव, कंचन बाला सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

आतंकी घटना के बाद भारत–नेपाल सीमा पर सुरक्षा बढाई गई

संवाददाता– सिद्धार्थनगर। जम्मू–कश्मीर के पहलगाम में आतंकी हमले के बाद नेपाल सीमा पर हाई अलर्ट है। खुली सीमा पर गश्त बढ़ा दी गई है। एसएसबी के साथ पुलिस और स्थानीय खुफिया एजेंसियां नाकों के साथ पगडंडी रास्तों पर भी नजर रख रही हैं। नाकों से जांच के बाद ही प्रवेश दिया जा है।

सिद्धार्थनगर जिले की 68 किलोमीटर खुली सीमा पर बढ़नी नाके के अलावा ककरहवा, अलीगढ़वा, बजहा, खुनवा, हरिबंशपुर, ठोरी, लालडिहवा से भी आवाजाही होती है। एसएसबी जवान बगैर जांच के किसी को भी भारतीय सीमा में प्रवेश नहीं करने दे रहे हैं। गैरपरंपरागत मार्गों पर पेट्रोलिंग कर चप्पे–चप्पे पर नजर रखी जा रही है। बढ़नी बॉर्डर तैनात एसएसबी के सहायक कमांडेंट भूपेंद्र ने कहा कि सीमा पर चौकसी बढ़ा दी गई है। आने–जाने वाले वाहनों व व्यक्तियों पर पैनी नजर रखी जा रही है।

महराजगंज में भी सोनौली व ठूठीबारी सीमा पर सघन जांच के बाद ही एंट्री मिल रही है। वहीं जिले से लगने वाली 84 किमी लंबी सीमाई पगडंडियों पर एसएसबी के जवान लगातार पेट्रोलिंग कर रहे हैं। निगरानी के लिए ड्रोन और सीसीटीवी कैमरों का भी सहारा लिया जा रहा है। सीओ नौतनवा जयप्रकाश सिंह ने कहा कि पुलिस व एसएसबी पूरी तरह नजर बनाए हुए है। एसएसबी के प्रशिक्षित डाग स्क्वाड को जांच में लगाया गया है।

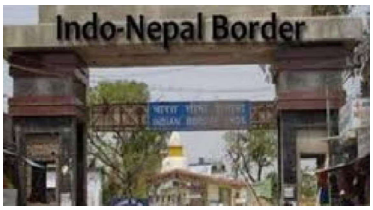

सीमा क्षेत्र के होटलों बस स्टेशनों व अन्य सार्वजनिक स्थानों पर सुरक्षा एजेंसियों की नजर बनी हुई है। चेकिंग में नेपाली सुरक्षा एजेंसियां भी भरपूर मदद कर रही हैं। एसएसबी 66वीं वाहिनी के कार्यवाहक कमांडेंट अभिनव कुमार सिंह का कहना है कि बिना जांच व तलाशी के किसी भी वाहन या व्यक्ति को पगडंडी सीमा पार नहीं करने दिया जाएगा।

पहलगाम में हुए आतंकी हमले में नेपाल के बुटवल के रहने वाले 27 वर्षीय सुदीप नेउपाने की मौत की पुष्टि हुई है। बुटवल उपमहानगरीय शहर–14 वार्ड अध्यक्ष दधिराम न्यूपाने ने बताया कि उनके भतीजे सुदीप न्यूपाने की घटना में मौत हो गई है। वह अपनी मां के साथ कलिकानगर, बुटवल उपमहानगरीय शहर–11 में रह रहे थे। उन्होंने बताया कि वह अपनी मां रीमा, बहन सुषमा और भतीजे उज्ज्वल काफले के साथ कश्मीर गया था, जहां आतंकी हमले में सुदीप की मौत हो गई। परिवार के अन्य सदस्य सुरक्षित हैं। सुदीप धरान में सार्वजनिक स्वास्थ्य में स्नातक की पढ़ाई कर रहा था। उसके पिता कौशल नेउपाने घर पर हैं। सुदीप का शव नेपाल लाने की तैयारी चल रही है।

वार्ड चेयरमैन नेउपाने ने कहा कि वह फिलहाल काठमांडू जा रहे हैं, क्योंकि शव को कश्मीर से दिल्ली और दिल्ली से काठमांडू लाने की योजना है। रुपन्देही के मुख्य जिला अधिकारी बासुदेव घिमिरे के अनुसार कश्मीर के पहलगाम में हमले में मरने वालों में बुटवल के सुदीप नेउपाने भी शामिल हैं।

केंद्रीय वित्त राज्यमंत्री पंकज चौधरी ने पहलगाम में पर्यटकों पर हुए आतंकी हमले को कायरतापूर्ण और अत्यंत निंदनीय करार देते हुए कहा कि सरकार इस मामले को लेकर बेहद गंभीर है। दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने कहा कि निर्दोष लोगों को निशाना बनाना न सिर्फ अमानवीय है, बल्कि यह देश की एकता और शांति को चुनौती देने का प्रयास है।

इलेक्ट्रानिक्स मैन्युफैक्चरिंग का हब बनेगा यूपी

लखनऊ (आभा)। उत्तर प्रदेश जल्द ही देश ही नहीं दुनिया में भी इलेक्ट्रॉनिक्स मैन्युफैक्चरिंग का बड़ा केंद्र बनकर उभरेगा। सीएम योगी के प्रयासों से केंद्र की मोदी सरकार ने ग्रेटर नोएडा के यमुना एक्सप्रेसवे औद्योगिक विकास क्षेत्र (यीडा) में प्रदेश के पहले इलेक्ट्रॉनिक्स मैन्युफैक्चरिंग क्लस्टर के निर्माण को मंजूरी दी है। इससे उत्तर प्रदेश निकट भविष्य में इलेक्ट्रॉनिक्स मैन्युफैक्चरिंग का हब बनकर उभरेगा। यहां के उत्पादों की धूम देश दुनिया में होगी। क्लस्टर में हैवेल्स इंडिया लिमिटेड 50 एकड़ में 800 करोड़ रुपये का निवेश करेगी और घरेलू उपकरणों का निर्माण करेगी।

सीएम योगी के प्रयासों से प्रदेश में इंडस्ट्री के नए अवसर उत्पन्न हो रहे हैं। इलेक्ट्रॉनिक मैन्युफैक्चरिंग क्लस्टर के निर्माण से प्रदेश न सिर्फ देश का तकनीकी शक्ति केंद्र बनेगा, बल्कि प्रत्यक्षअप्रत्यक्ष रूप से लाखों युवाओं के नौकरी/ रोजगार के नए रास्ते भी खुलेंगे। केंद्र सरकार की इलेक्ट्रॉनिक्स विनिर्माण क्लस्टर (ईएमसी 2.0) योजना के तहत परियोजना का निर्माण किया जाएगा। इसमें ज्यादा से ज्यादा मोबाइल, कंप्यूटर और दूसरे इलेक्ट्रॉनिक सामान बनाए जाएंगे, ताकि विदेशों में निर्यात को और बढ़ावा दिया जा सके।

यमुना एक्सप्रेसवे औद्योगिक विकास प्राधिकरण के सेक्टर 10 में बनने वाले क्लस्टर को 539 करोड़ रुपये की लागत से 206 एकड़ जमीन पर विकसित किया जाएगा। इसमें केंद्र सरकार 144.48 करोड़ रुपये की मदद देगी और बाकी 393.90 करोड़ रुपए यीडा की ओर से खर्च किया जाएगा। कार्य 1 जुलाई से शुरू होगा और तीन साल में इसे पूरा कर लिया जाएगा।अवस्थापना एवं औद्योगिक विकास विभाग के प्रमुख सचिव आलोक कुमार ने बताया कि सीएम योगी की संकल्पना के अनुरूप प्रदेश में बढ़ते निवेश को देखते हुए वैश्विक स्तर की सुविधाएं विकसित की जा रही हैं।

महंगी बिजली से राहत की उम्मीद, याचिका दायर

लखनऊ (आभा)। अप्रैल महीने के बिजली बिलों में ईंधन व ऊर्जा खरीद अधिभार समायोजन लागू करने के मामले में उपभोक्ता परिषद में राज्य विद्युत नियामक आयोग में लोक महत्व जनहित प्रस्ताव दाखिल किया। अधिभार लगाए जाने की वजह से पांच साल में पहली प्रदेश के उपभोक्ताओं की बिजली दरें 1.24: बढ़ गईं। उपभोक्ता परिषद ने कहा कि जब बिजली कंपनियों पर उपभोक्ताओं का 33,122 करोड़ रुपये बकाया है तो अधिभार लगातार ज्यादा शुल्क की वसूली अवैधानिक है। माना जा रहा है कि उपभोक्ता परिषद के दावे माने गए तो आम लोगों को काफी राहत मिल सकती है। लोगों को बढ़ी हुई दरों पर बिजली का बिल नहीं देना होगा।

उपभोक्ता परिषद के अध्यक्ष अवधेश कुमार वर्मा ने आरोप लगाया कि पावर कॉरपोरेशन बहुवर्षीय वितरण टैरिफ के तहत बिजली दरों में 10 प्रतिशत तक इजाफा करना चाहता है। पावर कॉरपोरेशन इस संबंध में जल्द ही प्रस्ताव दाखिल करना चाहता है। अवधेश कुमार वर्मा ने कहा कि जब बहुवर्षीय वितरण टैरिफ संशोधन कानून बना रहा था, तब ही उपभोक्ता परिषद ने इसका विरोध किया था। उपभोक्ता परिषद ने आयोग से मांग की है कि वह रोक लगाए ताकि पावर कॉरपोरेशन निकट भविष्य में किसी भी तरह गलत वसूली उपभोक्ताओं से न कर सके।

उपभोक्ता परिषद ने नियामक आयोग से मांग की है कि दो प्रतिशत कटौती का आदेश जल्द से जारी किया जाए। परिषद ने कहा कि ईंधन और ऊर्जा खरीद अधिभार समायोजन के तय किए गए तौर तरीकों के हिसाब से फरवरी में बिजली कंपनियों पर उपभोक्ताओं का 150 से 170 करोड़ रुपये निकलेगा। लिहाजा मई के बिल में उपभोक्ताओं को राहत दी जाए। वहीं, उपभोक्ता परिषद ने यह भी मांग की है कि अगर किसी महीने में बिजली कंपनियों पर सरप्लस निकलता है तो उसे बिल में न जोड़ा जाए बल्कि बिजली कंपनियों पर बकाए से उसकी कटौती की जाए।

वहीं, विद्युत कर्मचारी संयुक्त संघर्ष समिति ने अप्रैल के बिजली बिलों में ईंधन व ऊर्जा खरीद अधिभार समायोजन लागू करने की वजह निजी औद्योगिक घरानों को लुभाना बताया है। संघर्ष समिति ने कहा कि निजी औद्योगिक घराने कम दरों पर बिजली आपूर्ति के लिए तैयार नहीं हैं।

संघर्ष समिति के संयोजक शैलेंद्र दुबे ने कहा कि प्रदेश में 5 साल में पहली बार बिजली महंगी हुई। अगर निजीकरण का प्रस्ताव वापस नहीं हुआ तो टैरिफ में बड़े इजाफे के लिए तैयार रहें। निजीकरण के बाद मुंबई, कोलकाता की तरह उत्तर प्रदेश के घरेलू उपभोक्ताओं को भी 17 से 18 रुपये प्रति यूनिट बिजली की दरें देनी पड़ सकती हैं।

जमीन जेहाद को लेकर हियुवा ने डीएम को सौंपा पत्र, कार्रवाई की मांग

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। बुधवार को हिन्दू युवा वाहिनी उत्तर प्रदेश के पूर्व प्रदेश मंत्री अरुण भारती के के नेतृत्व में वाहिनी के पूर्व पदाधिकारियों ने जिलाधिकारी को पत्र देकर बस्ती शहर के प्रमुख स्थानों पर हिन्दू सम्पत्तियों और सार्वजनिक परिसर में मजार बनाकर जमीन जेहाद के कम में उपयोग, वक्फ की घोषणा के षड्यंत्र की जांच कराने की मांग किया। मांग किया कि ऐसे स्थानों को खाली कराकर सरकार उसे अपने नियंत्रण में ले।

डीएम को दिये पत्र में कहा गया है कि बस्ती नगर पालिका परिषद के प्रमुख के हिन्दू संपत्तियों एवं सार्वजनिक परिसर में मजार बनाकर जमीन जिहाद के क्रम में उपयोग के आधार पर (वक्फ)का चयन रचे जाने के संबंध में जांच हो।

हियुवा के पूर्व जिलाध्यक्ष अभय प्रताप सिंह,पूर्व जिला महामंत्री विनय सिंह संजय मद्धेशिया, धीरेन्द्र कुमार 'लल्लू पाण्डेय आदि ने डीएम का ध्यान आकृष्ट कराते हुए बताया कि त्रिपाठी चित्र मंदिर, सुंदर टॉकीज,रौता चौराह की गली में सड़क के बीचो बीच तथा न्याय मार्ग, के मेन रोड पर ,जिला अस्पताल के परिसर में मजारों का होना और बन जाना निश्चित 2013 के बाद किसी के दिमाग की फितूर नहीं है, आश्चर्यजनक क्या है कि यहां ना कोई फकीर, ना कोई मौलवी,न यहां रहा है और न मरा है फिर मजार किसकी है। केवल शरारती और षड्यंत्रकारी करतूतों के तहत इसको अंजाम दिया गया। यह तो वह स्थान है जो हिंदू प्रॉपर्टी का दिखता हुआ प्रकरण है इसके अलावा ना जाने शहर में आसपास के पब्लिक प्रॉपर्टी पर तो जाने अंजाने कितने ऐसे मामले हैं। जैसे अमहट घाट के उस पार मस्जिद नदी की डोप एरिया में निर्माण तेजी से बढ़े हैं। राजस्व अकैडमी समस्या के गंभीर होने तक का इंतजार करने वाले पौराणिक आदत में मस्त है, और जब समय के साथ स्थान से एक बड़ी संख्या जुट जाती है तो वह बड़ी घटनाओं का कारण बनती है। मांग किया कि इसकी समीक्षा करा लिया जाय और जमीनों को सरकार अपने नियंत्रण में ले।

"मुझे अखबार निकालने दो तो मै इस बात की परवाह नहीं करता कि कौन धर्म का नियामक है और कौन कानून का निर्माता"—वेंडेल फिलिप्स

दैनिक
भारतीय बस्ती
बस्ती 24 अप्रैल 2025 गुरूवार

सम्पादकीय

आतंक को मिले मुंहतोड़ जबाब

पहलगाम में जाति, धर्म पूंछकर पर्यटकों की कायरतापूर्ण हत्या दुर्भाग्यपूर्ण है। दुनियां का कोई भी धर्म इसकी इजाजत नहीं देता। आतंकवादियों ने नर संहार के साथ ही पर्यटक आधारित जम्मू–कश्मीर के कई परिवारों को आर्थिक संकट में ढकेल दिया है। जरूरत है ऐसे कायरों को मुंहतोड़ जबाब दिया जाय जिससे भविष्य में इसकी पुनरावृत्ति न होने पाये। इस घटना ने सिद्ध कर दिया कि आतंकवाद का भी धर्म से सम्बन्ध है वरना धर्म, जाति पूंछकर गोलियां न मारी जाती।

जम्मू–कश्मीर में पिछले कुछ समय से आतंकवादी संगठनों के हमले और उनकी सक्रियता में जिस कदर बढ़ोतरी देखी जा रही है, उससे यह चिंता स्वाभाविक है कि क्या यह समस्या एक बार फिर जटिल शक्ल अख्तियार कर रही है। इतना साफ है कि आतंक के रास्ते भारत में जो मकसद वे हासिल करना चाहते हैं, उसका पूरा होना संभव नहीं है, लेकिन यह भी देखा जा सकता है कि उनके हमलों की रणनीति में जो बदलाव आया है, वह इस समस्या को और गंभीर बना रहा है। आए दिन वहां से अब आतंकी हमलों, उनसे सुरक्षा बलों की मुठभेड़, कुछ आतंकियों का मारा जाना या फिर किसी जवान की शहादत की घटनाएं अक्सर सामने आने लगी हैं।

बीते कुछ वर्षों में पाकिस्तान स्थित ठिकानों से अपनी गतिविधियां संचालित करने वाले आतंकी संगठनों ने सुरक्षा बलों के शिविरों पर हमले करने के समांतर लक्षित हमलों की रणनीति अपनाना शुरू कर दिया है। अब इसी क्रम में आतंकियों ने पर्यटकों पर हमले शुरू कर दिए हैं, जिसके पीछे छिपी मंशा स्पष्ट दिखती है कि जम्मू–कश्मीर में पर्यटन या अन्य कारणों से आने वालों के भीतर खौफ पैदा किया जा सके।

कश्मीर में पहलगाम के बैसरन इलाके में मंगलवार को आतंकवादियों ने पर्यटकों पर गोलीबारी शुरू कर दी, जिसमें 24 से ज्यादा लोगों के मारे जाने और कई के घायल होने की खबर आई। दरअसल, जम्मू–कश्मीर की अर्थव्यवस्था में पर्यटन की भूमिका जगजाहिर रही है। माना जाता रहा है कि इसी वजह से आतंकवादी संगठन पर्यटन स्थलों का रुख करने वाले लोगों को कोई नुकसान नहीं पहुंचाते हैं, ताकि वहां पर्यटकों का आना–जाना निर्बाध रहे।

अगर देश–दुनिया से वहां घूमने जाने वालों के भीतर डर बैठा, तो वहां की अर्थव्यवस्था पर इसका विपरीत असर पड़ सकता है। लेकिन इस बार पर्यटकों को निशाना बना कर आतंकियों ने न केवल बाहरी लोगों को डराने, बल्कि वहां की अर्थव्यवस्था की रीढ़ पर हमला करने की कोशिश की है। इसके अलावा, जुलाई की शुरुआत में अमरनाथ यात्रा भी शुरू होने वाली है और वहां जाने का रास्ता पहलगाम से होकर गुजरता है। ऐसे में आतंकियों के इस हमले को अमरनाथ यात्रा को प्रभावित करने की कोशिश के तौर पर भी देखा जा रहा है।

पर्यटकों पर गोलीबारी हाल के दिनों में सबसे गंभीर घटना मानी जा रही है, जिसके पीछे मंशा न केवल सुरक्षा बलों और सरकार को चुनौती पेश करना, बल्कि बाहरी लोगों को डराना है। इससे उन्हें अपना एक मकसद यह भी पूरा होने की उम्मीद है कि वे स्थानीय और बाहरी लोगों के भीतर खाई पैदा कर सकेंगे। मगर ऐसे आतंकी हमलों के बाद अब वहां की स्थानीय आबादी के बीच आतंकियों के खिलाफ जिस तरह का आक्रोश देखा जाता है, वह भविष्य के लिए एक उम्मीद जगाता है।

पहलगाम में पर्यटकों पर आतंकी हमले के बाद जम्मू–कश्मीर की मुख्यधारा की लोकतांत्रिक राजनीति में सक्रिय लगभग सभी दलों और उनके नेताओं ने इसकी तीखी आलोचना की और इसे कायराना हरकत बताया। मगर हकीकत यह भी है कि जम्मू–कश्मीर में राष्ट्रपति शासन का दौर रहा हो या फिर उसके बाद बड़ी जद्दोजहद के बाद शुरू हुई लोकतांत्रिक प्रक्रिया और उसके तहत चुनी हुई सरकार का गठन, आतंकी वारदात पर काबू पाने की कोशिशें नाकाम दिखती हैं। अगर सरकार की ओर से इस मसले पर ठोस और सुनिश्चित कार्रवाई नहीं की गई, तो इसके दूरगामी घातक नतीजे सामने आ सकते हैं।

विवाद के समय बीजेपी क्यों छोड़ देती है अपने नेताओं का साथ

—संजय सक्सेना—

भारतीय जनता पार्टी भारत की सबसे बड़ी और सबसे संगठित राजनीतिक पार्टियों में से एक है। अनुशासन, संगठनात्मक ढांचा और विचारधारा की स्पष्टता इसके प्रमुख स्तंभ माने जाते हैं। लेकिन, पिछले कुछ वर्षों में यह प्रवृत्ति देखी गई है कि जब पार्टी के किसी नेता पर विवाद खड़ा होता है, तो पार्टी उनसे सार्वजनिक रूप से दूरी बना लेती है या उन्हें पद से हटाने में देर नहीं करती। यह परिपाटी कई बार यह सवाल खड़ा करती है कि आखिर विवाद के समय बीजेपी अपने ही नेताओं का साथ क्यों छोड़ देती है,बीजेपी आलाकमान का मुसीबत के समय अपने नेताओं का साथ छोड़ने का सिलसिला काफी पुरानी है। साध्वी प्रज्ञा हो या विवादित बयान देने वाली नुपुर शर्मा और अब केन्द्रीय मंत्री निशिकांत दुबे,राज्यसभा सांसद दिनेश शर्मा या अन्य कोई बीजेपी किसी भी नेता से किनारा करने में देरी नहीं करती है, अन्य दलों का शीर्ष नेतृत्व मुसीबत के समय अपने नेता के साथ कंधे से कंधा मिलाये खड़ा रहता है। समाजवादी पार्टी के विवादित नेता और सांसद रामजी लाल सुमन इसकी ताजा मिसाल है। सुमन ने वीर पुरुष और महानायक राजा राणा सांगा को गद्दार कहा था।

ऐसा क्यों होता है, इसकी तह में जाया जाये तो पता चलता है कि बीजेपी अपने ब्रांड को विकास और राष्ट्रवाद के प्रतीक के रूप में प्रस्तुत करती रही है। पार्टी नेतृत्व यह अच्छी तरह समझता है कि किसी भी नेता से जुड़ा विवाद संपूर्ण पार्टी की छवि पर असर डाल सकता है। ऐसे में वह डैमेज कंट्रोल की नीति अपनाती है। उदाहरण के तौर पर, जब बीजेपी सांसद बृजभूषण शरण सिंह पर यौन उत्पीड़न के गंभीर आरोप लगे, तो पार्टी ने सीधे तौर पर उनका समर्थन नहीं किया, भले ही वह एक लंबे समय से पार्टी के प्रभावशाली चेहरा रहे हों। इसी तरह, जब पूर्व मंत्री एमजे अकबर पर मी टू अभियान के दौरान कई महिलाओं ने आरोप लगाए, तो पार्टी ने चुपचाप उन्हें पद से हटने दिया, बिना उनका खुला समर्थन किए।

बीजेपी का संगठनात्मक ढांचा यह सुनिश्चित करता है कि व्यक्ति नहीं, संगठन सर्वोपरि रहे। इसलिए जब कोई नेता विवाद में आता है, तो पार्टी पहले यह देखती है कि उनका बचाव करने से संगठन को कितना नुकसान हो सकता है। अगर पार्टी नेतृत्व को लगता है कि उस नेता का समर्थन करना पार्टी की छवि पर बुरा असर डालेगा, तो वह उससे दूरी बना लेती है। यहाँ संघ परिवार की सोच भी प्रभावी होती है, जहाँ व्यक्तिवाद की बजाय सामूहिक निर्णय को प्राथमिकता दी जाती है। ऐसे में कोई भी नेता पार्टी से ऊपर नहीं हो सकता।

दरअसल, बीजेपी चुनावी राजनीति में बेहद रणनीतिक है। अगर किसी नेता के विवाद से जनता में आक्रोश है या विपक्ष को मुद्दा मिल सकता है, तो पार्टी उस नेता को बलि का बकरा बनाकर अपनी राजनीतिक जमीन सुरक्षित करती है। मध्य प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री बाबूलाल गौर हों या उमा भारती, समय–समय पर जब उनके बयानों या कार्यों से पार्टी की रणनीति को चुनौती मिलती दिखी, तो पार्टी ने उन्हें दरकिनार कर दिया। इससे साफ है कि पार्टी का फोकस वोटर सेंटिमेंट और इलेक्शन मैनेजमेंट पर है, न कि व्यक्तिगत निष्ठा पर।

ऐसा इस लिये भी होता है क्योंकि आज का दौर इंस्टेंट जजमेंट का है। जैसे ही किसी नेता पर आरोप लगते हैं, सोशल मीडिया पर ट्रेंड शुरू हो जाता है। बीजेपी यह समझती है कि अगर वह बचाव में उतरती है, तो यह आक्रोश और तेज हो सकता है। इसलिए वह साइलेंस मोड या डिस्टेंसिंग की रणनीति अपनाती है। यह नीति कभी–कभी नेताओं को अकेला महसूस करवा सकती है, लेकिन पार्टी को लगता है कि यह सार्वजनिक नाराजगी को ठंडा करने का सबसे तेज तरीका है।

अभी बीजेपी नेताओं निशिकांत दुबे, डा0 दिनेश शर्मा आदि कुछ नेताओं के न्यायपालिका पर दिये गये विवादित बयान के बाद बीजेपी ने इन नेताओं से जिस तरह दूरी बनाई वह बीजेपी के कुछ समर्थकों को खराब भी लग रहा है। जबकि राजनीति के कुछ जानकारों का कहना है कि अक्सर खुद को संवैधानिक संस्थाओं का सम्मान करने वाली पार्टी के रूप में पेश करती है। ऐसे में अगर किसी नेता पर कानूनी आरोप लगते हैं, तो पार्टी यह संदेश देना चाहती है कि वह किसी को कानून से ऊपर नहीं मानती। भले ही अंदरूनी स्तर पर नेता का समर्थन किया जा रहा हो, सार्वजनिक मंच पर पार्टी न्यायिक प्रक्रिया के पक्ष में खड़ी दिखना चाहती है।

लेकिन सवाल ये भी उठता है कि क्या ये नीति सही है? यह रणनीति अल्पकालिक लाभ तो देती है, लेकिन इससे पार्टी के अंदर यह भावना पनपती है कि पार्टी मुश्किल समय में अपने ही नेताओं का साथ नहीं देती। इससे पार्टी के अंदर विश्वास की कमी पैदा हो सकती है। कई पुराने नेताओं ने यह नाराजगी भी जताई है कि पार्टी यूज एंड थ्रो की नीति अपनाती है।अकुछ राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि यह नीति राजनीतिक शुचिता के नाम पर राजनीतिक अवसरवाद को बढ़ावा देती है। जब तक नेता उपयोगी होता है, उसे सिर पर बैठाया जाता है और जैसे ही वह पार्टी के लिए बोझ बनता है, उसे किनारे कर दिया जाता है।

कुल मिलाकर बीजेपी का विवाद के समय नेताओं से दूरी बनाना एक सुविचारित रणनीति का हिस्सा है, जिसका मकसद पार्टी की छवि और राजनीतिक पूंजी को सुरक्षित रखना है। हालांकि यह नीति दीर्घकालिक रूप से संगठनात्मक विश्वसनीयता और निष्ठा की भावना को चोट पहुँचा सकती है। यह चुनौती बीजेपी के लिए उतनी ही गंभीर है जितनी किसी विवाद में घिरे नेता के लिए। पार्टी को यह संतुलन साधना होगा कि संगठन की प्रतिष्ठा बचाते हुए, अपने कर्मठ नेताओं का आत्मसम्मान भी सुरक्षित रखा जाये।

जीवन बदलती हैं किताबें

— ललित गर्ग—

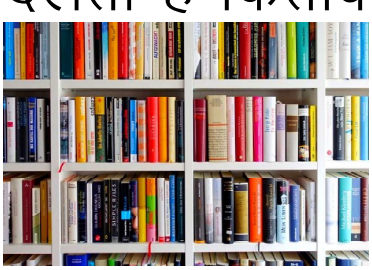

विश्व पुस्तक दिवस जिसे विश्व पुस्तक कॉपीराइट दिवस भी कहा जाता है, पुस्तक–संस्कृति को बल देने और पढ़ने की प्रवृत्ति के आनंद को बढ़ावा देने के लिए मनाया जाने वाला एक विश्व उत्सव है। हर साल 23 अप्रैल को दुनिया भर में पुस्तकों के दायरे को पहचानने, उसे प्रोत्साहन देने एवं दुनिया को जोड़ने के लिए पुस्तक उत्सव अतीत और भविष्य के बीच एक कड़ी, पीढ़ियों और संस्कृतियों के बीच एक पुल है। इस अवसर पर, यूनेस्को और पुस्तक उद्योग के तीन प्रमुख क्षेत्रों– प्रकाशक, पुस्तक विक्रेता और पुस्तकालयों का प्रतिनिधित्व करने वाले अंतर्राष्ट्रीय संगठन, अपने स्वयं के प्रयासों के माध्यम से, दिवस के उत्सवों की प्रेरणा को बनाए रखने के लिए एक वर्ष के लिए विश्व पुस्तक राजधानी का चयन करते हैं। किताबें, अपने सभी रूपों में, हमें सीखने और खुद को सशक्त रखने का मौका देती हैं। वे हमारा मनोरंजन भी करती हैं और हमें दुनिया को समझने में मदद करती हैं, साथ ही दूसरों की दुनिया में झांकने का मौका भी देती हैं। इस दिवस की 2025 की थीम है 'अपने तरीके से पढ़ें', यह थीम सभी आयु वर्ग के लोगों विशेषतः बच्चों को अपनी रुचि के अनुसार किताबें चुनने और पढ़ने के लिए प्रोत्साहित करती है। इसका उद्देश्य बच्चों को पढ़ने में आनंद आने का अनुभव कराना और उनकी पढ़ने की आदत को मजबूत बनाना है।

23 अप्रैल विश्व साहित्य में एक प्रतीकात्मक तिथि है। इस दिन कई विश्वप्रसिद्ध लेखकों का जन्मदिवस या पुण्यतिथि होती है। विलियम शेक्सपियर, मिगुएल डे सर्वेंट्स और जोसेप प्लाया का इसी दिन निधन हुआ था, जबकि मैनुएल मेजिया वल्लेजो और मौरिस ड्रून इसी दिन पैदा हुए थे। यूनेस्कों ने 23 अप्रैल 1995 को इस दिवस को मनाने की शुरुआत की थी। पैरिस में यूनेस्को की एक आमसभा में फैसला लिया गया था कि दुनियाभर के लेखकों का सम्मान करने, उनको श्रद्धांजली देने और किताबों के प्रति रुचि जागृत करने के लिए इस दिवस को मनाया जाएगा। पुस्तकों को ज्ञान का बाग भी कहा जाता है। यदि कोई इन पुस्तकों से सच्ची दोस्ती कर ले तो यकीन मानिए उसे जीवन भर का ज्ञान और हर समस्या का समाधान कुछ ही समय में मिल जाता है। समस्याओं एवं परेशानी के दौर में पुस्तक दोस्ती का पूरा फर्ज निभाती हैं। पुस्तक का महत्व सार्वभौमिक, सार्वकालिक एवं सार्वदैशिक है, किसी भी युग या आंधी में उसका महत्व कम नहीं हो सकता, इंटरनेट जैसी अनेक आंधियां आयेगी, लेकिन पुस्तक संस्कृति हर आंधी में अपनी उपयोगिता एवं प्रासंगिकता को बनाये रख सकेगी। क्योंकि पुस्तकें पढ़ने का कोई एक लाभ नहीं होता। पुस्तकें मानसिक रूप से मजबूत बनाती हैं तथा सोचने समझने के दायरे को बढ़ाती हैं। किताबों का अस्तित्व खत्म नहीं हो सकता। आधुनिकता की बात करें तो भी यह बात हर वक्त संभव नहीं कि किताबों के स्थान पर लैपटॉप आदि से पढ़ा जाए।

पुस्तक या किताब लिखित या मुद्रित पेजों के संग्रह को कहते हैं। पुस्तकें ज्ञान का भण्डार हैं। पुस्तकें हमारी दुष्ट वृत्तियों से सुरक्षा करती हैं और सकारात्मक सोच को निर्मित करती है। अच्छी पुस्तकें पास होने पर उन्हें मित्रों की कमी नहीं खटकती है वरन वे जितना पुस्तकों का अध्ययन करते हैं पुस्तकें उन्हें उतनी ही उपयोगी मित्र के समान महसूस होती हैं। पुस्तकें एक तरह से जाग्रत देवता हैं उनका अध्ययन मनन और चिंतन कर उनसे तत्काल लाभ प्राप्त किया जा सकता है। तकनीक ने भले ज्ञान के क्षेत्र में क्रांति ला दी है, पर पुस्तकें आज भी विचारों के आदान. प्रदान का सबसे सशक्त माध्यम हैं। महात्मा गाँधी को महान बनाने में गीता, टालस्टाय और थोरो का भरपूर योगदान था। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को विश्व ख्याति दिलाने में पुस्तकों की महत्वपूर्ण भूमिका है, यही कारण है कि उन्होंने पुस्तक संस्कृति को जीवंत करने का अभिनव उपक्रम 'मन की बात' कार्यक्रम में अनेक बार किया। पुस्तकों में जीवन का रहस्यमय एवं रोमांचक संसार है। इसलिये पुस्तक संस्कृति को प्रोत्साहन देकर ही हम उन्नत संस्कार, संसार एवं सृष्टि का निर्माण कर सकेंगे। किताबों में ही किताबों के बारे में जो लिखा है वह भी बहुत उल्लेखनीय और विचारोत्तेजक है। मसलन टोनी मोरिसन ने लिखा है– 'कोई ऐसी पुस्तक जो आप दिल से पढ़ना चाहते हैं, लेकिन जो लिखी न गई हो, तो आपको चाहिए कि आप ही इसे जरूर लिखें।'

शिक्षाविद चार्ल्स विलियम इलियट ने कहा कि पुस्तके मित्रों में सबसे शांत व स्थिर हैं, वे सलाहकारों में सबसे सुलभ और बुद्धिमान होती हैं और शिक्षकों में सबसे धैर्यवान तथा श्रेष्ठ होती हैं। निःसंदेह पुस्तकें ज्ञानार्जन करने, मार्गदर्शन एवं परामर्श देने में में विशेष भूमिका निभाती है। नरेन्द्र मोदी प्रयोगधर्मा एवं सृजनकर्मा राजनायक हैं, तभी उन्होंने उपहार में 'बुके नहीं बुक' यानी किताब देने की बात कही। सत्साहित्य में तोप, टैंक और एटम से भी कई गुणा अधिक ताकत होती है। अणुअस्त्र की शक्ति का उपयोग ध्वंसात्मक ही होता है, पर सत्साहित्य मानव–मूल्यों में आस्था पैदा करके स्वस्थ एवं शांतिपूर्ण समाज की संरचना करती है। इसी से सकारात्मक परिवर्तन होता है जो सत्ता एवं कानून से होने वाले परिवर्तन से अधिक स्थायी होता है। यही कारण है कि मोदीजी भारत को बदलने में सत्साहित्य की निर्णायक भूमिका को स्वीकारते हैं।

पुस्तकें चरित्र निर्माण का सर्वोत्तम साधन हैं। उत्तम विचारों से युक्त पुस्तकों के प्रचार और प्रसार से राष्ट्र के युवा कर्णधारों को नई दिशा दी जा सकती है। देश की एकता और अखंडता का पाठ पढ़ाया जा सकता है और एक सबल राष्ट्र का निर्माण किया जा सकता है। पुस्तकें प्रेरणा की भंडार होती हैं उन्हें पढ़कर जीवन में कुछ महान कर्म करने की भावना जागती है। पुस्तकें कल्पवृक्ष भी है और कामधेनु भी है, क्योंकि इनकी छत्रछाया में मनुष्य अपनी हर मनोकामना को पूरा करने की शक्ति एवं सामर्थ्य पाता है। पुस्तकें अमूल्य है और जन–जन के लिये उपयोगी है, निश्चित ही वे एक नये व्यक्ति और एक नये समाज–निर्माण का आधार भी है। पुस्तकें ही व्यक्ति में सकारात्मकता का संचार करती है। नये मूल्य, नये मापदण्ड, नई योग्यता, नवीन क्षमताएं, आकांक्षाएं और नये सपने– तेजी से बदलती जिंदगी में सकारात्मकता को स्थापित करने में पुस्तकों की महत्वपूर्ण भूमिका हो सकती है।इंसान घर बदलता है, लिबास बदलता है, रिश्ते बदलता है, दोस्त बदलता है, फिर भी परेशान क्यों रहता है? क्योंकि उसने पुस्तकरूपी कल्पवृक्ष की छाया में बैठना बन्द कर दिया है जबकि इन्हीं पुस्तकों की सार्थक कोशिश होती है कि इंसान बदलें, उसकी सोच बदलें, उसका व्यवहार बदलें लेकिन बदलने की उसकी दिशा सदैव सकारात्मक हो ताकि वह जिंदगी के वास्तविक मायने समझ सके।

नये सन्दर्भो में कांग्रेस और खरगे

— संतोष कुमार पाठक—

दरअसल, राहुल गांधी के सार्वजनिक तौर पर और बंद कमरों में भी बैठक के दौरान बार–बार और लगातार इस तरह की बात कहने के बावजूद कड़वी सच्चाई तो यही है कि अभी तक किसी भी बड़े नेता के खिलाफ कोई एक्शन नहीं लिया जा सका है। कांग्रेस को मजबूत करने के अभियान में जुटे राहुल गांधी के लिए इस वर्ष बिहार में होने वाला विधानसभा चुनाव काफी महत्वपूर्ण हो गया है। पिछले कुछ महीनों से वह लगातार कांग्रेसी कार्यकर्ताओं और नेताओं को आईना दिखाने का काम कर रहे हैं। कांग्रेस पार्टी के अंदर मौजूद बीजेपी के एजेंट्स को पार्टी से बाहर निकालने का राग अलाप रहे हैं तो इसके साथ ही जनाधारविहीन नेताओं को किनारे लगाने की बात भी कह रहे हैं। राहुल गांधी का खासा जोर पार्टी में स्थानीय नेतृत्व को मजबूत करना है और इसके लिए वह लगातार जिलाध्यक्ष के पद को ताकतवर बनाने की कोशिश में जुटे हुए हैं। लेकिन जिलाध्यक्ष वाले प्रयोग को लेकर लेखक ने जिस तरह की आशंका पहले जताई थी,वो अब सच साबित होती दिखाई दे रही है।

दरअसल, राहुल गांधी के सार्वजनिक तौर पर और बंद कमरों में भी बैठक के दौरान बार–बार और लगातार इस तरह की बात कहने के बावजूद कड़वी सच्चाई तो यही है कि अभी तक किसी भी बड़े नेता के खिलाफ कोई एक्शन नहीं लिया जा सका है। राहुल गांधी द्वारा पिछले कुछ वर्षों के दौरान शुरू किए गए अभियानों की असफलता का जिक्र करते हुए अब कांग्रेसी नेता दबी जुबान में इस बार भी राहुल गांधी के विफल होने की भविष्यवाणी कर रहे हैं। वर्ष 2022 में राजस्थान के उदयपुर में आयोजित तीन दिवसीय चिंतन शिविर जिसे श्नवसंकल्प शिविरश का नाम दिया था जैसे कई शिविरों और महत्वपूर्ण बैठकों में लिए गए संकल्पों की याद दिलाते हुए अब यह भी कहा जाने लगा है कि राहुल गांधी अपनी शानदार से शानदार योजना को भी जमीन पर नहीं उतार पाते।

लेकिन ऐसा लग रहा है कि जो राहुल गांधी कर नहीं पा रहे हैं, उसकी शुरुआत 82 वर्ष की आयु पूरी कर चुके मल्लिकार्जुन खरगे ने कर दी है। बिहार की धरती पर जाकर कांग्रेस राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने 20 अप्रैल को एक रैली को संबोधित किया। खरगे ने बिहार के बक्सर के दल सागर में रैली को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, मोदी सरकार और राज्य की नीतीश कुमार–बीजेपी गठबंधन सरकार पर जमकर निशाना साधा। खरगे ने बहुत ही आक्रामक अंदाज में एक सधे हुए नेता के तौर पर भाषण देते हुए लोगों को कांग्रेस से जोड़ने की कोशिश की। लेकिन खरगे के इस उत्साह और प्रयास पर कांग्रेस के स्थानीय नेताओं ने ही पानी फेर दिया। सभा में न केवल भीड़ कम थी बल्कि रैली के हिसाब से समुचित इंतजाम तक नहीं किए गए थे। बीजेपी और जेडीयू नेताओं ने भी कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष खरगे की रैली में आई भीड़ को लेकर जमकर कटाक्ष किया। वहीं नाराज खरगे ने अपनी रैली में उचित इंतजाम नहीं होने और वहां आई कम भीड़ को देखते हुए हुए बिहार प्रदेश कांग्रेस को जिला नेतृत्व के खिलाफ तुरंत एक्शन लेने का फरमान सुना दिया।

खरगे के निर्देश पर पार्टी नेतृत्व ने बक्सर के जिला अध्यक्ष मनोज कुमार पांडे को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया है। बिहार प्रदेश कांग्रेस द्वारा बक्सर जिला अध्यक्ष के निलंबन को लेकर जारी पत्र में कहा गया है, 20 अप्रैल 2025 को अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे का दल सागर खेल मैदान में बक्सर में कार्यक्रम संपन्न हुआ। प्रथम दृश्य सभा की तैयारी की घोर कमी और आसपास में समन्यव का घोर अभाव पाया गया है। जिला कांग्रेस कमेटी ने अपने उत्तरदायित्व का निर्वाहन ठीक से नहीं किया। इसलिए जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष पद से तत्काल मनोज कुमार पांडे को निलंबित किया जाता है। खरगे ने जिलाध्यक्ष के खिलाफ सख्त कार्रवाई करते हुए कांग्रेसी कार्यकर्ताओं और खासकर नेताओं को एक बड़ा राजनीतिक संदेश दे दिया है। खरगे का संदेश बिल्कुल साफ है कि वे राहुल गांधी नहीं है और एक्शन लेने में कतई देरी नहीं करेंगे।

बढ़ती गर्मी में पशु–पक्षियों की प्यास बुझाएं

—क्षमा शर्मा —

गर्मी बढ़ रही है। लू के तेज थपेड़ों के अलर्ट जारी किए जा रहे हैं। लोग गर्मी से बचने के लिए तरह–तरह के उपाय कर रहे हैं। पशु–पक्षियों के बारे में खबरें आ रही हैं। पिछले दिनों ऐसी ही 2 दिलचस्प खबरों पर नजर पड़ी। एक में बताया गया कि दक्षिण लखीमपुरखीरी और दुधवा नैशनल पार्क में बढ़ती गर्मी को देखते हुए वन विभाग ने जंगल में पानी के स्रोत बनाए। इन्हें 'वाटर होल' नाम दिया गया। दक्षिण खीरी में 12 और दुधवा में 37 वाटर होल बनाए गए जिससे कि यहां रहने वाले जानवर अपनी प्यास बुझा सकें। मगर अधिकारी यह देखकर चकित रह गए कि इन सब पर बाघों ने कब्जा कर लिया है। वे यहीं रहते हैं और खेलते–कूदते भी हैं। इनके डर के कारण दूसरे जानवर यहां पानी पीने नहीं आ पाते। वे पानी के लिए बस्तियों का रुख करते हैं। चीतल और जंगली सूअर भी आते देखे गए हैं।

बताया जा रहा है कि जंगली सूअर कइयों को घायल कर रहे हैं। अधिकारियों की समझ में नहीं आ रहा कि वे क्या करें। वे कह रहे हैं कि जंगल के बाहर भी ऐसे पानी के स्रोत बनाए जा रहे हैं जिससे छोटे जानवर वहां आकर अपनी प्यास बुझा सकें। मान लीजिए जंगल के बाहर बनाए गए स्रोतों पर भी बाघों ने कब्जा कर लिया, तो क्या होगा। आखिर उन्हें कौन रोक सकता है। वैसे भी कहा गया है कि 'समरथ को नहिं दोष गुसाईं'। दूसरी खबर कूनो नैशनल पार्क से जुड़ी हुई थी। यहां सत्य नारायण गुर्जर पर्यटकों को घुमाने का काम करता है। एक दिन वह जा रहा था, तो उसने कई चीतों को देखा। उसे लगा कि इन्हें प्यास लगी होगी। वह गाड़ी से नीचे उतरा। अपने साथ लाए पानी को एक तसले में उंडेला। यह देखते ही चीते दौड़े आए और पानी पीने लगे। वे सचमुच प्यासे थे। इसका वीडियो वायरल हो गया। बड़ी संख्या में लोगों ने इसे देखा और सत्य नारायण की तारीफ भी की। लेकिन वहां के अधिकारियों ने कहा कि सत्य नारायण ने यह ठीक नहीं किया है। उसे चीतों को पानी नहीं पिलाना चाहिए था। जंगल में भगा देना चाहिए था।

पहलगाम हमले के बाद भारत–नेपाल सीमा पर बढ़ी चौकसी

संवाददाता–बहराइच। पहलगाम के बायसरन घाटी में पर्यटकों पर हुए आतंकी हमले के बाद भारत–नेपाल सीमा पर चौकसी बढ़ा दी गई है। बार्डर से गुजरने वाले वाहनों का एसएसबी जवान डॉग स्क्वॉड व स्कैनर मशीन से सघन जांच कर रहे हैं। भारत–नेपाल की खुली सीमा पर स्थित एसएसबी चौकियों पर भी चौकसी बढ़ा दी गई है और एसएसबी गश्त कर रही है।

पुलिस टीम भी बार्डर पर सक्रिय है। जम्मू कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकियों के कायराना हमले के रुपईडीहा स्थित भारत–नेपाल सीमा पर सुरक्षा बढ़ा दी गई है। पुलिस व एसएसबी जवान नेपाल की ओर से भारत में दाखिल होने वाले प्रत्येक नागरिक का पहचान पत्र देखकर उन्हें प्रवेश दे रहे हैं।

वहीं बार्डर से गुजरने वाले लोगों के सामान की स्कैनर मशीन व डॉग स्क्वॉड की मदद से जांच की जा रही है। वाहनों को रोक कर उनकी सघन तलाशी की जा रही है। एसएसबी 42वीं वाहिनी के कमांडेंट गंगा सिंह उदावत ने बताया कि केवल रुपईडीहा ही नहीं, बल्कि सभी सीमावर्ती चौकियों पर भी सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए गए हैं।

विस्फोटक और मादक पदार्थों की तस्करी रोकने के लिए डॉग स्क्वॉड की मदद ली जा रही है। रुपईडीहा सीमा चौकी पर तैनात सहायक कमांडेंट सुनील कुमार ने बताया कि जंगल के रास्ते से आने–जाने वालों की भी कड़ी निगरानी की जा रही है। सीसीटीवी कैमरों से भी नजर रखी जा रही है। रुपईडीहा थाना प्रभारी दद्दन सिंह ने बताया कि पुलिस बल हर संदिग्ध को रोक कर पूछताछ कर रहे हैं।

मकान मालिक पर यौन उत्पीड़न का आरोप, केस दर्ज

संवाददाता–बहराइच। बाराबंकी में मेडिकल की पढ़ाई करने वाली एक छात्रा ने नानपारा में कार्यरत एक परिषदीय स्कूल के प्रधानाध्यापक पर यौन उत्पीड़न का आरोप लगाया है। पुलिस केस दर्ज कर मामले की जांच कर रही है। आरोपी बाराबंकी का मूल निवासी है। उसी के घर में किराए का कमरा लेकर छात्रा मेडिकल की पढ़ाई करती थी।

छात्रा ने बताया कि वह मूल रूप से नानपारा क्षेत्र की निवासी है। उसकी मां आंगनबाड़ी कार्यकर्ता हैं और नानपारा के परिषदीय स्कूल में संचालित आंगनबाड़ी केंद्र में पढ़ाती हैं। मां का आंगनबाड़ी केंद्र जिस विद्यालय में संचालित है, वहां के प्रधानाध्यापक का घर में आना जाना था। इस कारण मेडिकल की पढ़ाई करने के दौरान प्रधानाध्यापक ने अपने बाराबंकी स्थित घर में उसे किराए पर कमरा देने के साथ उसकी हर संभव मदद भी की। छात्रा का आरोप है कि वह पारिवारिक समझ पर उसके इरादे समझ नहीं पाई।

इसका फायदा उठा कर प्रधानाध्यापक ने उसके मोबाइल पर अश्लील मैसेज भेजना शुरू कर दिया। आरोप है कि इसका विरोध करने पर वह डरा धमका कर उसका शारीरिक व मानसिक शोषण करने लगा। उसने यौन उत्पीड़न का प्रयास भी किया। दूसरी जगह किराए का कमरा लेने के बाद भी आरोपी ने उसका पीछा करना नहीं छोड़ा। पुलिस को बताया कि आरोपी प्रधानाध्यापक उसे मिलने के लिए बुलाता और न जाने पर परिवार को बर्बाद करने की धमकी भी देता। कोतवाल रामाज्ञा सिंह ने बताया कि छात्रा की तहरीर पर आरोपी के खिलाफ केस दर्ज कर मामले की जांच की जा रही है।

चूजों को नेपाल ले जा रहा तस्कर गिरफ्तार

संवाददाता–बहराइच। भारत–नेपाल सीमा पर तस्करी खत्म होने का नाम नहीं ले रही है। मंगलवार सुबह नेपाल पुलिस ने रुपईडीहा के एक युवक को चूजों की तस्करी करते गिरफ्तार किया। बरामद चूजों की कीमत दो लाख रुपये बताई जा रही है।

बिना कोचिंग के ही हासिल की 36वीं रैंक

संवाददाता–गोण्डा। लक्ष्य हासिल करने के लिए यदि कड़ी मेहनत की जाए तो सफलता जरूर मिलती है। इसे सच कर दिखाया है शहर के आवास विकास कॉलोनी निवासी मुस्कान श्रीवास्तव ने। वर्ष 2023 में आईपीएस पद पर चयनित हुईं मुस्कान ने आईएएस बनने के लिए मेहनत जारी रखी और प्रतिदिन 10 से 12 घंटे पढ़ाई करके यूपीएससी की परीक्षा में 36वीं रैंक हासिल की है। मुस्कान की सफलता से परिवार में खुशी का माहौल है।

मुस्कान के पिता डॉ. सुधीर कुमार श्रीवास्तव पशुपालन विभाग में जॉइंट डायरेक्टर के पद पर अयोध्या में तैनात हैं। मां कंचन श्रीवास्तव गृहिणी हैं। छोटी बहन कोपल श्रीवास्तव वेटनरी की पढ़ाई कर रही हैं। मुस्कान के ताऊ व डाक विभाग से सेवानिवृत्त पर्यवेक्षक अनिल कुमार श्रीवास्तव ने बताया कि वह बचपन से ही पढ़ाई में तेज थीं। मुस्कान ने सरकुलर रोड स्थित फातिमा स्कूल से प्रारंभिक शिक्षा ग्रहण की। इसके बाद आईआईटी जबलपुर से बीटेक किया। फिर उन्होंने सिविल सेवा में जाने की ठान ली।

मुस्कान वर्ष 2023 में आईपीएस बनी थीं, लेकिन उनका लक्ष्य आईएएस बनना था। जिसकी तैयारी उन्होंने जारी रखी। ट्रेनिंग के दौरान वह छुट्टी लेकर घर लौट आईं। बिना कोचिंग के ही वह तैयारी करती रहीं। प्रतिदिन 10 से 12 घंटे पढ़ाई करके वह यूपीएससी की परीक्षा पास कर आईएएस बन गई हैं। मुस्कान के बाबा छोटेलाल श्रीवास्तव जिला विकास अधिकारी पद से सेवानिवृत्त हुए थे।

शहर के पंतनगर मोहल्ले के निवासी नवनीत मिश्र को यूपीएससी की परीक्षा में 436वीं रैंक प्राप्त हुई है। उनके बड़े भाई अश्वनी मिश्र ने बताया कि चार भाइयों में सबसे छोटे नवनीत 2020 से दिल्ली में रहकर तैयारी कर रहे थे। उन्होंने पांचवें प्रयास में सफलता हासिल की है। नवनीत ने हाईस्कूल व इंटर की पढ़ाई शहर के ही सिटी मांटेसरी स्कूल से की। फिर आईआईटी मुंबई से बीटेक किया। बायो फार्मा कंपनी में एक साल नौकरी करने के बाद वर्ष 2022 में इंडियन कॉर्पोरेट लॉ सर्विसेस (आईसीएलएस) में चयनित हुए। अश्वनी ने बताया कि नवनीत आईसीएलएस में ट्रेनिंग पर हैं। नवनीत के सबसे बड़े भाई रामानुज मिश्र जवाहर नवोदय विद्यालय अलीगढ़ में शिक्षक हैं। दूसरे नंबर के अश्वनी पीसीएस की तैयारी कर रहे हैं। तीसरे नंबर के भाई आलोक बहराइच के नानपारा में प्राथमिक विद्यालय में सहायक अध्यापक हैं। पिता नागेंद्र प्रसाद मिश्र सेवानिवृत्त बैंक मैनेजर हैं। मां भागवती मिश्रा गृहिणी हैं। नवनीत का पैतृक निवास करनैलगंज के मुंडेरवा में है।

41 डिग्री पहुंचा पारा, पूरे दिन गर्म हवा ने झुलसाया

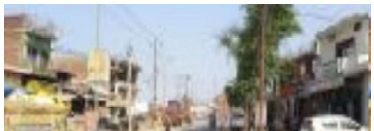

संवाददाता–श्रावस्ती। तराई में मंगलवार को पारा 41 डिग्री सेल्सियस रहा। आग उगल रहीं सूरज की किरणें व गर्म पछुआ हवा से लोग बेहाल हैं। ग्रामीण क्षेत्रों व मुख्य मार्ग के किनारे लगे खराब हैंडपंप लोगों की परेशानी और बढ़ा रहे हैं।

वैशाख मास के दूसरे सप्ताह में पारा 41 डिग्री सेल्सियस पहुंच गया। साथ ही तेज गर्म हवा भी लोगों को झुलसा रही है। गर्म हवा के कारण विद्युत उपकरण भी लोगों को कोई खास राहत न दिला सके। इस बीच बार–बार हो रही अघोषित बिजली कटौती से लोगों को गर्मी से बेहाल देखा गया। ग्रामीण क्षेत्रों में लोग उमस भरी गर्मी से बचने के लिए बाग–बगीचों का सहारा लेने को मजबूर रहे। जबकि नगरीय क्षेत्रों में लोग विद्युत उपकरण पर ही निर्भर हैं। मौसम के मिजाज में फिलहाल नर्मी के संकेत न मिलने के कारण लोगों को जेठ मास में होने वाली तपन की चिंता सताने लगी है।

इस समय सहालग चल रही है। घरों में विवाह व दिरागमन जैसे मांगलिक आयोजन हो रहे हैं। इसमें शामिल होने के लिए लोग मौसम की परवाह किए बगैर आ–जा रहे हैं। इनके आवागमन की राह में संसाधनों का अभाव बाधा है। ज्यादातर बसों व छोटे वाहनों के बुकिंग में चले जाने के कारण लोगों को गंतव्य तक पहुंचने के लिए घंटों वाहनों का इंतजार करना पड़ रहा है। लोग यात्री वाहन न मिलने पर भार वाहनों का सहारा लेने को मजबूर हैं।

उत्तर प्रदेश महिला शिक्षक संघ की जिला इकाई व उत्तर प्रदेश प्राथमिक शिक्षामित्र संघ ने बीएसए से विद्यालयों का समय बदलने की मांग की है। शिक्षकों व शिक्षामित्रों का कहना है कि तेज धूप के कारण बच्चों के स्वास्थ्य पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ने की आशंका है। ऐसे में विद्यालय का समय सुबह 7रू30 से 11रू30 बजे तक करने की मांग की है। इस पर बीएसए अजय सिंह ने बताया कि डीएम से बात की जाएगी। उनके निर्देश पर ही समय बदला जा सकता है।

श्रीमज्जगदगुरु सुतीक्षण देवाचार्य महाराज का हुआ स्वागत

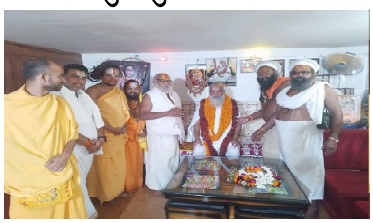

–भारतीय बस्ती संवाददाता– अयोध्या। श्रीमज्जगदगुरु द्वाराचार्य नाभापीठाधीश्वर स्वामी सुतीक्ष्ण देवाचार्य महाराज नाभापीठ सुदामाकुटी, वृंदावन धाम बुधवार को अयोध्या पहुंचे। जहां संकटमोचन हनुमान किला मंदिर धर्मपथ हनुमानगुफा बाईपास में महंत परशुराम दास महाराज की अगुवाई में संतों ने उनका भव्य स्वागत किया। अपने स्वागत–सम्मान से नाभापीठाधीश्वर बहुत ही अभिभूत दिखे। इससे पहले श्रीमज्जगदगुरु द्वाराचार्य नाभापीठाधीश्वर स्वामी सुतीक्ष्ण देवाचार्य महाराज सुबह संकटमोचन हनुमानकिला मंदिर पहुंचे। वहां संकटमोचन हनुमानकिला पीठाधीश्वर महंत परशुराम दास महाराज समेत अन्य संत–महंतों ने अंगवस्त्र ओढ़ा व माल्यार्पण कर उनका स्वागत किया। इस अवसर पर संकटमोचन हनुमान किला पीठाधीश्वर महंत परशुराम दास ने बताया कि आज उनके आश्रम पर वृंदावन धाम नाभापीठ सुदामाकुटी के श्रीमज्जगदगुरु द्वाराचार्य नाभापीठाधीश्वर स्वामी सुतीक्ष्ण देवाचार्य महाराज आए थे। जिन्होंने कुछ घंटों यहां प्रवास किया। इस दौरान उनका आश्रम में स्वागत–सम्मान किया गया। उनसे अयोध्या धाम व वृंदावन धाम से संबंधित कई बातों पर चर्चा भी हुई। वृंदावन धाम का नाभापीठ सुदामाकुटी वहां का बहुत ही प्रसिद्ध प्रमुख मठ है। जहां महाराज श्री की देखरेख गौ, संत, विद्यार्थी व आगंतुक सेवा सुचार रूप से चलती है। नाभापीठाधीश्वर संत एवं गौ सेवी होने के साथ–साथ परम स्नेही संत हैं। जो बहुत ही व्यवहार कुशाल हैं। उनका व्यक्तित्व बड़ा ही उदार है। सरलता तो उनमें देखते ही झलकती है। इतना सरल ह्रदय वाला संत मैंने कभी नही देखा। जितनी शालीनता व सरलता वह सबसे मिलते हैं। महाराज श्री के बारे में जितना कहा जाए वह कम ही होगा। महाराज जी के साथ नीलोखेड़ी हरियाणा महंत जयराम दास के अन्य संत महापुरुष अयोध्या पहुंचे।उनका स्वागत करने वाले में श्रीमहंत राम दास, महंत सीताराम दास, महंत विजय राम दास सहित दर्जनों लोग उपस्थित रहे।

मुठभेड़ मे दो पशु तस्करों को गोली मार छुड़ाए 9 प्रतिबंधित पशु

संवाददाता–कुशीनगर। रामकोला थाने के मुख्य पश्चिमी गंडक नहर पर सिंगहा रेगुलेटर के समीप बुधवार को भोर में पशु तस्करों से पुलिस की मुठभेड़ हुई। इसमें दो पशु तस्कर पैर में गोली लगने से घायल हो गए है। यह दोनों पिक अप पर 9 प्रतिबंधित पशुओं को क्रूरता पूर्वक लाद कर वध के लिए बिहार ले जा रहे थे। पुलिस ने नौ प्रतिबंधित पशुओं के साथ दो तमंचा व कारतूस बरामद किया है। अपर पुलिस महानिदेशक गोरखपुर जोन एवं पुलिस उप–महानिरीक्षक गोरखपुर रेंज के निर्देशन में पुलिस अधीक्षक कुशीनगर संतोष कुमार मिश्रा द्वारा अपर पुलिस अधीक्षक कुशीनगर रितेश कुमार सिंह के नेतृत्व में अपराध एवं अपराधियों के खिलाफ अभियान चलाया जा रहा है। मंगलवार की रात थाना रामकोला क्षेत्र में पशु तस्करों के होने की सूचना प्राप्त हुई। इस पर तत्काल योजना बनाते हुए पुलिस टीमों का गठन किया गया। थाना रामकोला, खड्डा, नेबुआ नौरंगिया की संयुक्त पुलिस टीम द्वारा बुधवार को भोर में थाना रामकोला क्षेत्र के सिंगहा रेगुलेटर के पास घेराबंदी कर चेकिंग की जा रही थी। चेकिंग के दौरान एक पिकअप वाहन आते हुए दिखाई दिया, जिसको पुलिस टीम द्वारा रोकने का प्रयास किया तो पिकअप वाहन पर सवार व्यक्तियों द्वारा लक्ष्य साधकर पुलिस टीम पर जान से मारने की नियत से फायर किया गया। जवाबी प्रतिरक्षा में पुलिस टीम द्वारा फायरिंग की गयी, जिसमें दो व्यक्ति घायल हो गये जिनकी पहचान शाहरुख अली पुत्र शमशेर अली निवासी जंगल बिहूली बेलहवा बंजारा टोला थाना पीपीगंज जनपद गोरखपुर व आरिफ अंसारी पुत्र लड्डू निवासी डोमनपट्टी थाना खड्डा जनपद कुशीनगर के रुप में हुई, जिनको गिरफ्तार किया गया। मौके से एक पिकअप वाहन, 09 प्रतिबंधित पशु, दो अवैध तमन्चा, दो जिन्दा व 02 खोखा कारतूस, 2000 रुपये नगद, 02 मोबाइल फोन, बाँका, ठीहा बरामद हुआ। एक पशु तस्कर पर पांच व दूसरे पर तीन केस पहले से दर्ज है। घायल व गिरफ्तार अभियुक्तों को ईलाज के लिए पुलिस अभिरक्षा में अस्पताल पहुंचाया गया। बरामदगी व गिरफ्तारी के आधार पर सुसंगत धाराओं अभियोग पंजीकृत कर पुलिस जांच कर रही है। टीम में प्रभारी निरीक्षक आनन्द गुप्ता थाना रामकोला, हर्षवर्धन सिंह थाना खड्डा, थानाध्यक्ष दीपक सिंह थाना नेबुआ नौरंगिया आदि शामिल रहे।

डेढ़ महीने में बार्डर पर दूसरी बार पकड़ा गया बांग्लादेशी नागरिक

संवाददाता–महराजगंज। निचलौल थाना क्षेत्र के नेपाल बार्डर पर डेढ़ महीने के अंतराल में बांग्लादेशी नागरिक के घुसपैठ की दूसरी घटना सामने आई है। इसके पहले 10 मार्च की रात में निचलौल थाना क्षेत्र के बार्डर पर मटरा गांव के पास पुलिस और एसएसबी की टीम ने अवैध तरीके से भारत में घुसपैठ कर रहे एक बांग्लादेशी नागरिक को गिरफ्तार कर लिया था। एसएसबी और पुलिस ने पकड़े गए बांग्लादेशी नागरिक से पूछताछ करने के बाद उसके खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जेल भेज दिया था। बीते 10 मार्च की रात में बांग्लादेशी नागरिक के पकड़े जाने के बाद एसएसबी के एएसआई गणेश चन्द्र दास निवासी रहंगाजान थाना हेलन, राज्य असम द्वारा पुलिस को तहरीर देकर बताया कि नेपाल की तरफ से एक संदिग्ध शख्स भारत में अवैध तरीके से घुसपैठ करने की फिराक में है। उसे टीम ने बार्डर के पिलर संख्या 501/6 से सटे मटरा गांव के पगडंडी रास्ते के पास नेपाल से भारत में प्रवेश करते पकड़ा गया। वह भी टीम को देखकर भागने की फिराक में था। टीम ने उससे पूछताछ की तो उसने अपना नाम सैफुल इस्लाम (35) पिता का नाम ईशान अली निवासी दुपूरिया पोस्ट धंसिल थाना जिनाइकटी राष्ट्र बांग्लादेश बताया था। उस समय बांग्लादेशी नागरिक की तलाशी लेने पर उसके पास से नागरिकता, पासपोर्ट एवं बांग्लादेशी पहचान पत्र से संबंधित कोई भी साक्ष्य बरामद नहीं हुआ है। पकड़ा गया बांग्लादेशी व्यक्ति बांग्लादेशी भाषा स्पष्ट शब्दों में बोल रहा था। वही हिंदी भाषा को समझने में भी सक्षम था। भारत में प्रवेश करने का कारण पूछा गया तो उसने सही से जवाब नहीं दिया।

निचलौल थाना क्षेत्र के नेपाल बार्डर पर 10 मार्च को पकड़ा गया बांग्लादेशी नागरिक डेढ़ वर्ष पहले अपने घर से निकला था। यह बात उसने पुलिस द्वारा की गई पूछताछ में बताया था। इस बार पकड़े गए बांग्लादेशी ने फिलहाल इस तरह की कोई बात नहीं बताई है।

पिछली बार पकड़े गए बांग्लादेशी नागरिक से पुलिस द्वारा पूछताछ की गई तो उसकी भाषा न समझ में आने के कारण पुलिस ने निचलौल में रहने वाले एक शख्स को बुलाकर उसकी भाषा में बातचीत कराई गई। तब जाकर उसका नाम, पता और अन्य जानकारी मिल पाई। इस बार भी भाषा की दिक्कत होने पर सुरक्षा एजेंसी के एक जवान ने उसकी भाषा में बातचीत कर जानकारी ली। निचलौल थानाक्षेत्र के झुलनीपुर बार्डर पर एक बांग्लादेशी व्यक्ति पकड़ा गया है। उससे पूछताछ की गई है। वह बांग्लादेशी भाषा बोल रहा है। इसके लिए दुभाषिया का सहयोग लिया गया है। उसके पास कोई पहचान पत्र, वीजा अथवा पासपोर्ट नहीं मिला है। उसके खिलाफ विदेशी अधिनियम 1946 की धारा 14 ए के तहत मुकदमा दर्ज कर जेल भेजा जा रहा है।

कार्यालय ग्राम पंचायत-सेहुड़ा कला वि0ख0 रूधौली जनपद- बस्ती

अल्पकालिक निविदा सूचना

वित्तीय वर्ष 2025–26 में 15 वां केन्द्रीय वित्त आयोग/राज्य वित्त आयोग/अंत्येष्टि स्थल/स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण) योजनान्तर्गत प्राथमिक विद्यालय/ पंचायत भवन/मनरेगा पार्क एवं अन्य सार्वजनिक भवनों के अनुरक्षण, सुन्दरीकरण एवं अवस्थापना सुविधाओं के विकास हेतु निम्नलिखित निर्माण सामग्रियों को क्रय करने हेतु अल्पकालीन निविदा आमंत्रित की जाती है। इच्छुक आपूर्तिकर्ता दिनांक 24–04 2025 से 30–04–2025 तक कार्यालय कार्य दिवस में अपरान्ह 12.00 बजे तक प्रधान ग्राम पंचायत के कार्यालय पर सील बंद निविदा प्राप्त कर जमा कर सकते है। दिनांक 01–05–2025 को निविदा हेतु गठित कमेटी या निर्माण समिति के सदस्यों के समक्ष अपरान्ह 10.00 बजे खोली जायेगी, निविदा फर्म पैड पर होगी।

क्र.सं.	परियोजना का नाम	मात्रा (प्राक्कलन के अनुसार	शिड्यूल रेट के अनुसार (निम्नतम दर पर
1	टाइल्स, शुलभ/सामुदायिक शौचालय		
2	सीमेन्ट, बालू, गिट्टी, छड़		
3	ईट, हैण्डपम्प रिबोर, हरा चारा, सूखा चारा, चुन्नी सीमेंटेड ईट		
4	पलम्बरी सामग्री, खेल कूद के मैदान पर खेल कूद की सामग्री		
5	समर्सिबल, विद्युत तार, जलसंचयन सम्बन्धी कार्य		
6	इण्टरलाकिंग टाइल्स सामग्री गोवंश आश्रय केन्द्र पर भूसा अन्य		
7	डेस्क, बेंच फर्नीचर/आलमारी		
8	ग्रीन बोर्ड पर्दा, अन्त्येष्टी स्थल, सूखा–गीला कचरा प्रबंधन व कम्पोस्ट गड्ढा इत्यादि		
9	भूसा, वृक्षारोपण (पौधा कम से कम 6 फीट का होना चाहिए)		
10	कंस्ट्रक्शन ज्वाइंट, आंगनबाड़ी केन्द्र		
11	नाली निर्माण सामग्री, पंचायत भवन		
12	खंड़जा, सोख्ता, सोलर लाईट, स्ट्रीट लाईट		
13	योगा/व्यायाम सामग्री, मॉडर्न वृक्षारोपण, ह्यूम पाईप, सी.सी. टीवी कैमरा ए.सी.पी. बोर्ड, दिशा सूचक/साईन बोर्ड/शिलापट्ट या फैन्सग्रास		
14	पंचायत भवन निर्माण/मरम्मत, आपरेशन कायाकल्प, फागिंग मशीन, लाल ईंट आदि।		

प्रतिबंध एवं शर्ते– सभी कार्य योजना के अनुसार एवं प्राथमिकता के आधार पर कराये जायेंगे। समाग्री की मात्रा स्वीकृत होने के पश्चात तय की जायेगी। आवश्यकता के अनुसार सामग्री की आपूर्ति ग्राम प्रधान एवं ग्राम पंचायत सचिव के आदेश पर की जायेगी अथवा नही। आपूर्तिकर्ता वाणिज्यकर एवं आयकर कार्यालय में पंजीकरण अनिवार्य है। प्रस्तुत दर पी.डब्लू.डी. की दर से अधिक न हो। सामग्री आपूर्तिकर्ता द्वारा रू0–50 के स्टाम्प पेपर पर भरना अनिवार्य होगा। सामग्री आपूर्ति के पश्चात ही भुगतान किया जायेगा। आपूर्तिकर्ता को 4 प्रतिशत वाणिज्यकर एवं 2.24 प्रतिशत आयकर में कटौती के पश्चात ही भुगतान किया जायेगा। निविदा को बिना कारण बताये निरस्त करने का अधिकार निविदा समिति/निर्माण समिति में निहित होगा।

(श्रीमती बन्दना देवी) ग्राम प्रधान **(शैलेन्द्र त्रिपाठी)** ग्रा0पं0/ग्रा0वि0अधि0

पत्रांक मेमो /23.04.2025 वित्तीय वर्ष 2025–26

कार्यालय ग्राम पंचायत-खरदेउरा वि0ख0 रूधौली जनपद- बस्ती

अल्पकालिक निविदा सूचना

वित्तीय वर्ष 2025–26 में 15 वां केन्द्रीय वित्त आयोग/राज्य वित्त आयोग/अंत्येष्टि स्थल/स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण) योजनान्तर्गत प्राथमिक विद्यालय/ पंचायत भवन/मनरेगा पार्क एवं अन्य सार्वजनिक भवनों के अनुरक्षण, सुन्दरीकरण एवं अवस्थापना सुविधाओं के विकास हेतु निम्नलिखित निर्माण सामग्रियों को क्रय करने हेतु अल्पकालीन निविदा आमंत्रित की जाती है। इच्छुक आपूर्तिकर्ता दिनांक 24–04 2025 से 29–04–2025 तक कार्यालय कार्य दिवस में अपरान्ह 12.00 बजे तक प्रधान ग्राम पंचायत के कार्यालय पर सील बंद निविदा प्राप्त कर जमा कर सकते है। दिनांक 29–04–2025 को निविदा हेतु गठित कमेटी या निर्माण समिति के सदस्यों के समक्ष अपरान्ह 03.00 बजे खोली जायेगी, निविदा फर्म पैड पर होगी।

क्र.सं.	परियोजना का नाम	मात्रा (प्राक्कलन के अनुसार	शिड्यूल रेट के अनुसार (निम्नतम दर पर
1	टाइल्स, शुलभ/सामुदायिक शौचालय		
2	सीमेन्ट, बालू, गिट्टी, छड़		
3	ईट, हैण्डपम्प रिबोर, हरा चारा, सूखा चारा, चुन्नी सीमेंटेड ईट		
4	पलम्बरी सामग्री, खेल कूद के मैदान पर खेल कूद की सामग्री		
5	समर्सिबल, विद्युत तार, जलसंचयन सम्बन्धी कार्य		
6	इण्टरलाकिंग टाइल्स सामग्री गोवंश आश्रय केन्द्र पर भूसा अन्य		
7	डेस्क, बेंच फर्नीचर/आलमारी		
8	ग्रीन बोर्ड पर्दा, अन्त्येष्टी स्थल, सूखा–गीला कचरा प्रबंधन व कम्पोस्ट गड्ढा इत्यादि		
9	भूसा, वृक्षारोपण (पौधा कम से कम 6 फीट का होना चाहिए)		
10	कंस्ट्रक्शन ज्वाइंट, आंगनबाड़ी केन्द्र		
11	नाली निर्माण सामग्री, पंचायत भवन		
12	खंड़जा, सोख्ता, सोलर लाईट, स्ट्रीट लाईट		
13	योगा/व्यायाम सामग्री, मॉडर्न वृक्षारोपण, ह्यूम पाईप, सी.सी. टीवी कैमरा ए.सी.पी. बोर्ड, दिशा सूचक/साईन बोर्ड/शिलापट्ट या फैन्सग्रास		
14	पंचायत भवन निर्माण/मरम्मत, आपरेशन कायाकल्प, फागिंग मशीन, लाल ईंट आदि।		

प्रतिबंध एवं शर्ते– सभी कार्य योजना के अनुसार एवं प्राथमिकता के आधार पर कराये जायेंगे। समाग्री की मात्रा स्वीकृत होने के पश्चात तय की जायेगी। आवश्यकता के अनुसार सामग्री की आपूर्ति ग्राम प्रधान एवं ग्राम पंचायत सचिव के आदेश पर की जायेगी अथवा नही। आपूर्तिकर्ता वाणिज्यकर एवं आयकर कार्यालय में पंजीकरण अनिवार्य है। प्रस्तुत दर पी.डब्लू.डी. की दर से अधिक न हो। सामग्री आपूर्तिकर्ता द्वारा रू0–50 के स्टाम्प पेपर पर भरना अनिवार्य होगा। सामग्री आपूर्ति के पश्चात ही भुगतान किया जायेगा। आपूर्तिकर्ता को 4 प्रतिशत वाणिज्यकर एवं 2.24 प्रतिशत आयकर में कटौती के पश्चात ही भुगतान किया जायेगा। निविदा को बिना कारण बताये निरस्त करने का अधिकार निविदा समिति/निर्माण समिति में निहित होगा।

(राम प्रसाद) ग्राम प्रधान **(सतीश चन्द्र गौतम)** ग्रा0पं0/ग्रा0वि0अधि0

पत्रांक मेमो /23.04.2025 वित्तीय वर्ष 2025–26

कार्यालय ग्राम पंचायत-बभनी मिश्र वि0ख0 रूधौली जनपद- बस्ती

अल्पकालिक निविदा सूचना

वित्तीय वर्ष 2025–26 में 15 वां केन्द्रीय वित्त आयोग/राज्य वित्त आयोग/अंत्येष्टि स्थल/स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण) योजनान्तर्गत प्राथमिक विद्यालय/ पंचायत भवन/मनरेगा पार्क एवं अन्य सार्वजनिक भवनों के अनुरक्षण, सुन्दरीकरण एवं अवस्थापना सुविधाओं के विकास हेतु निम्नलिखित निर्माण सामग्रियों को क्रय करने हेतु अल्पकालीन निविदा आमंत्रित की जाती है। इच्छुक आपूर्तिकर्ता दिनांक 24–04 2025 से 28–04–2025 तक कार्यालय कार्य दिवस में अपरान्ह 12.00 बजे तक प्रधान ग्राम पंचायत के कार्यालय पर सील बंद निविदा प्राप्त कर जमा कर सकते है। दिनांक 29–04–2025 को निविदा हेतु गठित कमेटी या निर्माण समिति के सदस्यों के समक्ष अपरान्ह 01.00 बजे खोली जायेगी, निविदा फर्म पैड पर होगी।

क्र.सं.	परियोजना का नाम	मात्रा (प्राक्कलन के अनुसार	शिड्यूल रेट के अनुसार (निम्नतम दर पर
1	टाइल्स, शुलभ/सामुदायिक शौचालय		
2	सीमेन्ट, बालू, गिट्टी, छड़		
3	ईट, हैण्डपम्प रिबोर, हरा चारा, सूखा चारा, चुन्नी सीमेंटेड ईट		
4	पलम्बरी सामग्री, खेल कूद के मैदान पर खेल कूद की सामग्री		
5	समर्सिबल, विद्युत तार, जलसंचयन सम्बन्धी कार्य		
6	इण्टरलाकिंग टाइल्स सामग्री गोवंश आश्रय केन्द्र पर भूसा अन्य		
7	डेस्क, बेंच फर्नीचर/आलमारी		
8	ग्रीन बोर्ड पर्दा, अन्त्येष्टी स्थल, सूखा–गीला कचरा प्रबंधन व कम्पोस्ट गड्ढा इत्यादि		
9	भूसा, वृक्षारोपण (पौधा कम से कम 6 फीट का होना चाहिए)		
10	कंस्ट्रक्शन ज्वाइंट, आंगनबाड़ी केन्द्र		
11	नाली निर्माण सामग्री, पंचायत भवन		
12	खंड़जा, सोख्ता, सोलर लाईट, स्ट्रीट लाईट		
13	योगा/व्यायाम सामग्री, मॉडर्न वृक्षारोपण, ह्यूम पाईप, सी.सी. टीवी कैमरा ए.सी.पी. बोर्ड, दिशा सूचक/साईन बोर्ड/शिलापट्ट या फैन्सग्रास		
14	पंचायत भवन निर्माण/मरम्मत, आपरेशन कायाकल्प, फागिंग मशीन, लाल ईंट आदि।		

प्रतिबंध एवं शर्ते– सभी कार्य योजना के अनुसार एवं प्राथमिकता के आधार पर कराये जायेंगे। समाग्री की मात्रा स्वीकृत होने के पश्चात तय की जायेगी। आवश्यकता के अनुसार सामग्री की आपूर्ति ग्राम प्रधान एवं ग्राम पंचायत सचिव के आदेश पर की जायेगी अथवा नही। आपूर्तिकर्ता वाणिज्यकर एवं आयकर कार्यालय में पंजीकरण अनिवार्य है। प्रस्तुत दर पी.डब्लू.डी. की दर से अधिक न हो। सामग्री आपूर्तिकर्ता द्वारा रू0–50 के स्टाम्प पेपर पर भरना अनिवार्य होगा। सामग्री आपूर्ति के पश्चात ही भुगतान किया जायेगा। आपूर्तिकर्ता को 4 प्रतिशत वाणिज्यकर एवं 2.24 प्रतिशत आयकर में कटौती के पश्चात ही भुगतान किया जायेगा। निविदा को बिना कारण बताये निरस्त करने का अधिकार निविदा समिति/निर्माण समिति में निहित होगा।

(गिरीश चन्द्र) ग्राम प्रधान **(सतीश चन्द्र गौतम)** ग्रा0पं0/ग्रा0वि0अधि0

पत्रांक मेमो /23.04.2025 वित्तीय वर्ष 2025–26

नवागत सीडीओ ने संभाला कार्यभार

संवाददाता–गोरखपुर। आईएएस शाश्वत त्रिपुरारी ने बुधवार को गोरखपुर के नवागत सीडीओ के रुप में अपना कार्यभार ग्रहण कर लिया। वैशाली ट्रेन से सुबह गोरखपुर पहुंचे और सुबह 10 बजे तक उन्होंने डीएम कृष्णा करुणेश के पास अपनी ज्वाइनिंग की। इसके बाद सीधे विकास भवन पहुंचे।

पहले दिन ही कार्यभार ग्रहण करने के बाद उन्होंने शासन के विकास संबंधी फाइलों को देखा। विकास योजनाओं के स्वीकृत, पूरे हो चुके और लंबित कामों की फाइलों को देखा परखा। इसके बाद उन्होंने सिलसिलेवार अपने विभागों की कार्यालय अधिक्षकों को निर्देशित किया। विकास की कार्य योजनाओं और लंबित कामों की फाइलों के साथ अगले तीन दिनों तक विकास भवन में बैठक बुलाई है।

नवागत सीडीओ ने कार्यालय अधीक्षक को निर्देशित किया कि दिए गए निर्देशों का समयबद्ध तरीके से अनुपालन करवाया जाए। सभी कर्मचारी अपने अपने दायित्वों का निर्वहन करते हुए अपने–अपने पटल के सभी कामों को समयबद्ध तरीके और गुणवत्ता के साथ पूरा करेंगे।

उन्होंने बताया कि उनके पास तक या कार्यालय में आने वाले फरियादियों की समस्याओं का गुणवत्ता युक्त निस्तारण करना उनकी प्राथमिकताओं में से एक है। इसके अलावा अधिक से अधिक आम लोगों तक सरकार द्वारा चलाई जा रही महत्वकांक्षी योजनाओं व परियोजनाओं को पूरा कर पहुंचाया जा सके, इसके लिए पहले दिन से ही तैयारी शुरू कर दी है। शाश्वत त्रिपुरारी मूल रुप से प्रयागराज के रहने वाले हैं। प्रयागराज स्थित दूरदर्शन केंद्र के निदेशक रह चुके एससी मिश्र के बेटे शाश्वत त्रिपुरारी के अलावा उनकी बेटी सोनाली मिश्रा आईपीएस हैं। बहन सोनी मिश्रा प्रयागराज से 12वीं के बाद मदनमोहन मालवीय विश्वविद्यालय गोरखपुर से इंजीनियरिंग की। उनका विषय समाजशास्त्र था। उन्हें तीसरे प्रयास में सफलता मिली है। जबकि शाश्वत ने सेंट जोसफ कालेज से 12वीं तक की पढ़ाई की। उनका विषय मानव विज्ञान था।

मिठाई–नमकीन पर बिखेर रहे मिलावट की चमक, झेल रहा लिवर

संवाददाता–गोरखपुर। सहायक आयुक्त खाद्य सुरक्षा डॉ. सुधीर कुमार सिंह का कहना है कि मिठाई और नमकीन में 1000 ग्राम (एक किलोग्राम) में अधिकतम 100 मिलीग्राम तक केवल फूड कलर मिलाने की अनुमति है, लेकिन दुकानदार मिठाई–नमकीन को आकर्षक बनाकर रेट बढ़ाने के लिए उसमें प्रति किलोग्राम 10 ग्राम से अधिक सिंथेटिक रंग मिला रहे हैं।

दुकानों पर बिकने वाली मिठाई और नमकीन के अलावा पैकेटबंद नमकीन, चिप्स, भुजिया आदि को बनाने में भी रंगों का प्रयोग किया जाता है। मिठाई के दुकानदार सुरेश गुप्ता बताते हैं कि छेना से बनी मिठाइयों को अलग–अलग नाम देने के लिए उनमें रंग डालना ही पड़ता है। अगर बिना रंग के बनाया जाए तो सभी मिठाइयां हल्का सफेद या हल्का भूरा ही दिखेंगी। चमक नहीं होने की वजह से इसकी बिक्री पर असर पड़ेगा।

सबसे अधिक रंगों का इस्तेमाल नमकीन बनाने में होता है। मिठाई की छोटी दुकान से लेकर नमकीन पैकिंग करने वाली फैक्टरी तक में प्रतिबंधित रंगों का इस्तेमाल किया जाता है। किराना दुकानदार संजय ने बताया कि अधिकांश नमकीन बनाने में मैदा व बेसन का इस्तेमाल होता है। इससे बनी नमकीन हल्के भूरे रंग की होती है। पैकेट बंद नमकीन में सबसे अधिक कलर का प्रयोग होता है। इस कलर से ही नमकीन में चमक दिखती है। फिंगर चिप्स, जलेबी ही नहीं चटनी में भी पड़ता है रंग

नौकायन घाट पर ठेला लगाने वाले शिवकुमार ने बताया कि आजकल फिंगर चिप्स की बड़ी डिमांड रहती है। आलू के पतले–पतले टुकड़े को काटकर तेल में फ्राई की जाने वाली इस डिश में इतना रंग मिलाते हैं कि वह भूरे रंग के बजाय लाल हो जाती है। इसके लिए बेसन के पतले घोल में रंग मिला दिया जाता है। इसमें डुबाकर गर्म तेल में इसे फ्राई किया जाता है।

रंगीन मिठाइयों की बिक्री पर रोक लगाने के लिए जांच के दौरान दुकानदारों को हिदायत दी जाती है। पिछले अभियानों के दौरान ऐसी मिठाइयों को नष्ट भी कराया गया। लोगों से अपील भी की गई कि रंगीन मिठाई खाने से बचें। यह सेहत के लिए नुकसानदेह हो सकती है डॉ. सुधीर कुमार सिंह, सहायक आयुक्त खाद्य डॉ. राजीव कुमार मिश्रा, फिजिशियन ने कहा कि सिंथेटिक रंग हर तरह से नुकसानदेह होता है। मिठाई में मिला रंग लिवर को जख्मी कर सकता है। लिवर इंफेक्शन के हर दिन मामले आते हैं। इसमें सबसे अधिक मरीज वे होते हैं, जो हर दिन दुकानों पर कुछ न कुछ खाते रहते हैं। पैकेटबंद नमकीन, चिप्स आदि में रंगों का इस्तेमाल होता है। इसीलिए लोगों को पैकेटबंद सामान कम से कम खाने की सलाह दी जाती है

गीडा के फैक्ट्री में फटा बॉयलर, आठ मजदूर घायल–तीन की हालत गंभीर

संवाददाता–गोरखपुर। गीडा स्थित एक फैक्ट्री में शाम करीब साढ़े पांच बजे बॉयलर फटने से आठ मजदूर घायल हो गए। इसमें तीन की हालत गंभीर बताई जा रही है। सभी घायलों को एंबुलेंस से मेडिकल कॉलेज में उपचार के लिए भर्ती करवाया गया है। घटनास्थल पर अधिकरियों की टीम भी मौजूद है। बताया जा रहा है कि घटना शाम के आसपास की है, जब मजदूर फैक्ट्री के अंदर काम कर रहे थे। इसी बीच अचानक बॉयलर फटने से एक जोरदार धमाका हुआ, जिससे फैक्ट्री की दीवारें चटक गई और आवाज दूर–दूर तक सुनाई दी। इसके संपर्क में आने से 6 लोग घायल हो गए।कर्मियों ने तत्काल राहत कार्य के साथ घटना की जानकारी पुलिस को दी। जानकारों की मानें तो बॉयलर कई कारणों से फट सकते हैं, जैसे कि बॉयलर के ढीले बोल्ट, बॉयलर में पानी का कम स्तर, सुरक्षा वाल्व का अटक जाना, या बॉयलर का अधिक गर्म होना।हादसे के बाद भी इन कारणों की जांच की जाएगी कि आखिर बॉयलर फटने के पीछे क्या कारण रहा होगा? वहीं, फैक्ट्रियों में बॉयलर के संचालन के लिए कुछ सुरक्षा नियम होते हैं, जैसे कि बॉयलर के नियमित रूप से रखरखाव, सुरक्षा वाल्व की जांच, और बॉयलर के आसपास सुरक्षा घेरा। बताया जा रहा है कि प्रशासनिक टीम इसकी भी जांच कर सकती है।

सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि प्रार्थी हर्षित चौधरी पुत्र विनोद कुमार चौधरी ग्राम– चकिया, पोस्ट– गांधी, विकास खण्ड खलीलाबाद, जनपद– संतकबीर नगर (उ.प्र.) का निवासी है। त्रुटिवश आधार कार्ड में मेरा नाम हिमांशु पुत्र विनोद कुमार चौधरी हो गया है जो गलत है। उसे हर्षित चौधरी पुत्र विनोद कुमार चौधरी किया जाय।

हर्षित चौधरी
ग्राम– चकिया,
पोस्ट– गांधी
जनपद– संतकबीर नगर (उ.प्र.)

हत्या कर शव रेलवे ट्रैक पर रखने का मामले में चार आरोपी गिरफ्तार

संवाददाता–अम्बेडकरनगर। अम्बेडकरनगर में एक युवक की हत्या के मामले में पुलिस ने चार आरोपियों को गिरफ्तार किया है। सम्मनपुर थाना प्रभारी जयप्रकाश यादव ने बताया कि करतोरा गांव निवासी अर्पित कुमार की हत्या कर शव को जाफरगंज रेलवे ट्रैक पर रख दिया गया था।

घटना 9 अप्रैल की है। मृतक के पिता राम उदित की शिकायत पर पहले जीआरपी अकबरपुर में मुकदमा दर्ज किया गया। बाद में मामला सम्मनपुर थाने को स्थानांतरित कर दिया गया।

पुलिस ने मुखबिर की सूचना पर शांति नगर तिराहा यहियां कमालपुर रोड से चारों आरोपियों को गिरफ्तार किया। आरोपियों की पहचान प्रमोद कुमार पुत्र राम उजागिर, गुलाब चंद पुत्र उमाशंकर, अक्षय कुमार पुत्र राजकरन और गुलशन कुमार पुत्र राजीव कुमार के रूप में हुई है।

पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से हत्या में प्रयुक्त लकड़ी का बेंत और एक लकड़ी की फट्टी बरामद की है। पुलिस आगे की कार्रवाई में जुटी है।

युवती के फोन पर लड़की की पिटाई का भेजा वीडियो, 72 हजार ठगे

संवाददाता–गोरखपुर। कोतवाली क्षेत्र की एक युवती से 72 हजार रुपये की जालसाजी हो गई। लंदन के इंस्टाग्राम दोस्त ने पार्सल में आईफोन, सोने की चेन, डायमंड रिंग, सोने का बैंगल्स, ड्रेस व कैश पाउंड भेजने का झांसा देकर रुपये हड़प लिए। रुपये गंवाने के बाद युवती ने साइबर हेल्प लाइन 1930 पर शिकायत की है।

कोतवाली क्षेत्र के एक हॉस्टल में रहकर युवती एमएससी की पढ़ाई कर रही है। युवती ने बताया है कि एक सप्ताह पहले इंस्टाग्राम पर एक युवक से दोस्ती हुई। बातचीत शुरू हुई तो युवक ने बताया कि वह लंदन में रहता है। उसने बताया कि 21 अप्रैल को एक पार्सल भेजा है।

इसमें आईफोन, सोने की रिंग व कैश पाउंड है। इसी दिन एक कोरियर वाले की कॉल आई। उसने डयूटी फीस और टैक्स के नाम पर 72 हजार रुपये खाते में मंगवाए। इसके बाद कस्टम ऑफिसर बनकर एक व्यक्ति ने कॉल की। वह पार्सल की रसीद मांगने लगा। न देने पर केस दर्ज करने की धमकी देने लगा।

थोड़ी देर बाद एक वीडियो भेजा। इसमें एक लड़की को पुलिस पीट रही थी। वीडियो दिखाकर बोला कि अगर दो लाख रुपये नहीं भेजे तो तुम्हारा भी यही अंजाम होगा। बार–बार कॉल करके वह धमकी दे रहा था। इस दौरान इंस्टाग्राम दोस्त का लगातार मैसेज आ रहा था। तब समझ में आ गया कि उसने झांसा देकर जालसाजी की है।

पति की दूसरी शादी से आहत विवाहिता की घर में मिली लाश

संवाददाता–गोरखपुर। खजनी थाना क्षेत्र के छपियां गांव के बलवंत सिंह की पत्नी अंकिता सिंह (35) बुधवार की सुबह घर में लाश मिलने से सनसनी फैल गई। मायके वालों ने हत्या की आशंका जताई है। जबकि ससुरालवालों ने जहर खाकर जान देने की बात कही है। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पंचायत नामे के बाद पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

वहीं सूचना पर मृतका के मायके विराज मार्ग सलेमपुर थाना सलेमपुर जिला देवरिया से पहुंचे बड़े भाई अजय सिंह ने अपनी बहन को जहर देकर मारने का आरोप लगाया है। महिला दो बच्चों की मां थी, एक बेटा उज्जवल सिंह 8 वर्ष का है तो वहीं बेटी रिया सिंह 11 वर्ष की है। लगभग 12 वर्ष पहले हिंदू रीति–रिवाज से दोनों की शादी हुई थी।

मिली जानकारी के अनुसार मृतका के पति बलवंत सिंह ने दूसरी शादी कर ली थी। दूसरी पत्नी बड़हलगंज क्षेत्र की रहने वाली है। ससुराल के लोगों के अनुसार पारिवारिक कलह के कारण बुधवार की सुबह उसकी मृत्यु हो गई।

जमीन पर कब्जे का प्रयास, पुलिस ने पहुंचकर संभाला मोर्चा

संवाददाता–संतकबीरनगर। कोतवाली खलीलाबाद के प्रभारी निरीक्षक पंकज सिंह के साथ पुलिस फोर्स वहां पहुंची। पुलिस ने दोनों पक्ष के लोगों को वहां से निकाला तथा यह कहा कि जब तक मामले में फैसला नहीं हो जाता है, तब तक दोनों पक्ष यथास्थिति बनाए रखें।

खलीलाबाद शहर में सुगर मिल रोड पर एलआईसी के सामने सरदारों की एक जमीन को लेकर विवाद सामने आ गया। आरोप है कि दोपहर 12 बजे के करीब दूसरे पक्ष ने कब्जे का प्रयास किया। इस दौरान दूसरे पक्ष के लोगों ने उस जमीन पर पहले से बने गेट को तोड़ दिया गया।

यही नहीं अंदर से बाउंड्री तोड़कर उस जमीन पर कब्जे का प्रयास करने लगे। इसी बीच जमीन की मालिक हरजिन्दर कौर, धरम सिंह, मनजीत कौर, परविन्दर सिंह मौके पर पहुंच गए। पुलिस को सूचना दी तो मौके पर कोतवाली खलीलाबाद के प्रभारी निरीक्षक पंकज सिंह के साथ पुलिस फोर्स वहां पहुंची।

पुलिस ने दोनों पक्ष के लोगों को वहां से निकाला तथा यह कहा कि जब तक मामले में फैसला नहीं हो जाता है, तब तक दोनों पक्ष यथास्थिति बनाए रखें। कोई भी पक्ष मौके पर नहीं जाएगा। वहीं इस बात की सूचना एसडीएम शैलेष पांडेय को दी। एसडीएम ने दोनों पक्षों को अपने सभी कागजात के साथ उपस्थित होने के लिए कहा है। वहां पर मौके पर मौजूद आधा दर्जन मजदूरों को खदेड़ दिया गया। मौके पर शांति बनी हुई है।

पहलगाम आतंकी हमले के विरोध में प्रदर्शन, पाकिस्तान का पुतला फूंका

संवाददाता–कुशीनगर। कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले के विरोध में कुशीनगर में जगह–जगह प्रदर्शन हुए। भाजपा कार्यकर्ताओं और अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (एबीवीपी) के सदस्यों ने पाकिस्तान का पुतला फूंका।

पडरौना में भाजपा नेताओं और कार्यकर्ताओं ने विरोध प्रदर्शन किया। एबीवीपी के कार्यकर्ताओं ने बुद्ध स्नातकोत्तर महाविद्यालय के मुख्य द्वार पर पुतला दहन कर अपना विरोध जताया।

प्रदर्शनकारियों ने कहा कि पहलगाम में पर्यटकों पर हुआ आतंकी हमला मानवता के खिलाफ अपराध है। उन्होंने दोषियों को कड़ी सजा देने की मांग की। एबीवीपी ने पीड़ित परिवारों के प्रति संवेदना व्यक्त की।

जिला संयोजक विद्यार्थी राजन मद्धेशिया ने आतंकवादियों के खिलाफ कठोर कदम उठाने की मांग की। प्रदर्शनकारियों ने सरकार से ऐसी कार्रवाई की मांग की, जो भविष्य के लिए एक उदाहरण बने।

अदालती नोटिस

सम्मन बरगद इनफिसाल मुकदमा (आर्डर 5 कायदा 1 व 5 मजमुआ जाप्ता 200 ई0)
वाद सं0–
अन्तर्गत धारा 116 उ0प्र0रा0 सं0–2006
अदालत– श्रीमान उप जिलाधिकारी (न्यायिक) महोदय हर्रया जिला–बस्ती
रामसरन
बनाम
सोमई आदि
ग्राम बाघा काडर तप्पा हरदी परगना बस्ती पश्चिम तहसील हर्रया जिला–बस्ती
1. सोमई पुत्र बल्देव 2. राजेश कुमार पुत्र बल्देव 3. ह्रदयराम 4. ध्रुवचन्द पुत्रगण बनवारी 5. श्रीमती सरस्वती पत्नी बनवारी साकिनान मौजा बाघा काडर तप्पा हरदी परगना बस्ती पश्चिम तहसील हर्रया जिला–बस्ती
तारीख पेशी 30–04–2025
वाजेह हो कि ने आपके नाम एक नालिस बाबत दायर की है। लिहाजा आपको हुक्म होता है कि आप बतारीख 30 माह 04 सन 2025 ई0 बवक्त 10 बजे दिन बमुकाम असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमे के हालत से करार वाकई वाकिफ किया गया हो और जो कुल उमूर अहम मुतल्लिका मुकदमा जबाब दे सके या जिसके साथ कोई और सरुश हो जो कि जबाब ऐसे सवालात का दे सके हाजिर हों और जबाबदेही दावा कीजिये और हरगाह वही तारीख जो आपके हाजिरी के लिये मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल कत्तई मुकदमा के तजबीज हुई है और आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज को जिनको आप अपनी जबाबदेही के तहत इस्तदलाल करना चाहते हों पेश करें।
आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमुआ और फैसला होगा।
बसख्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया।
द0 हाकिम

अदालती नोटिस

इत्तिलानामा बनाम रेपान्डेन्ट बावत इत्तिला तारीख मुकर्रर समायत अपील
निगरानी सं0– 66/2024
अदालत– श्रीमान विशेष न्यायाधीश /एस0सी0 एस0टी0 एक्ट महोदय बस्ती जिला–बस्ती
रामजीत
बनाम
सियाराम आदि
1. सियाराम 2. रामचरित पुत्रगण गंगा प्रसाद 3. संतराम पुत्र बाला प्रसाद निवासीगण ग्राम पोखरा मय हसनपुर तप्पा नवाई परगना नगर पश्चिम तहसील हर्रया जिला–बस्ती
तारीख पेशी 09–05–2025
अपील बनराजी आदेश अदालत द्वितीय अति0 सिविल जज (जू0डि0) मुकाम बस्ती
मयरिखा 16 महीना 10 सन् 2024 ई0 रेस्पान्डेन्ट
इत्तिला दी जाती है कि अपील बनराजी डिगरी इस मुकदमें में मुसम्मी ने पेश इस अदालत में दर्ज रजिस्टर हुआ और इस अदालत व तारीख 09 महीना 05 सन 2025 ई0 वास्ते जमानत तथा अपील मुकर्रर का है।
अगर खुद या आपके वकील या और शख्स जो कानूनन आपकी तरफ से अपील हाजा में जबाब सवाल करने वाजिब हो हाजिर न आयेगा तो उसकी समायत और तजबीज आपकी गैर हाजिरी में एकतरफा हो जायेगी।
आज बतारीख 23 माह 04 सन 2025 ई. मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के हवाले किया गया।
द0 हाकिम

अदालती नोटिस

सम्मन बनाम कायम मुकाम कानूनी मुद्दाअलेह मुतवफ्फा (आर्डर 22, कायदा 4)
न्यायालय–श्रीमान सिविल जज (सी0डि0) महोदय बस्ती जिला–बस्ती
वाद सं0–59/2014
राजाराम
बनाम
रामकेश आदि
7/1 किसनवता उम्र करीब 32 साल पत्नी टेपई ग्राम डड़वा तप्पा कपरी महसो परगना महुली पश्चिम तहसील व जिला–बस्ती 7/2 ज्ञानमती उम्र करीब 28 साल पत्नी धर्मेन्द्र ग्राम चनुआमहरई तप्पा कोरऊ परगना महुली पश्चिम तहसील व जिला–बस्ती
तारीख पेशी 07–05–2025
हरगाह मुद्दई ने एक नालिश इस अदालत में बतारीख माह सन 20 ई0 बनाम मुद्दाअलेह के रूजू की थी, जो बाद की मौत हरगाह मुद्दई मजकूर ने एक दरख्वास्त इस अदालत में गुजारी है कि आप मुतवफ्फा मजकूर का कायम मुकाम कानूनी वारिस है और चाहता है कि बजाय उसके मुद्दाअलेह बनाये जांय।
लिहाजा आपको हुक्म होता है कि बतारीख 07 माह 05 सन 2025 ई0 बवक्त 10 बजे इस अदालत में हाजिर होकर मुकदमा मजकूर जबाबदेही कीजिये और अगर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा वगैर हाजिरी आपके मसमूअ और फैसला होगा।
बवक्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया।
द0 हाकिम

अदालती नोटिस

सम्मन बनाम कायम मुकाम कानूनी मुद्दाअलेह मुतवफ्फा (आर्डर 22, कायदा 4)
न्यायालय–श्रीमान सिविल जज (जू0डि0) खलीलाबाद महोदय बस्ती जिला–बस्ती
वाद सं0–28/2018
दयाशंकर
बनाम
रंगीलाल आदि
1. रंगीलाल 2. हीरालाल पुत्रगण उदित 3. राम प्रकाश उर्फ चत्तुर पुत्र स्व0 रामसंवारे 4. गंगाराम पुत्र स्व0 रामलखन 5. जगनरायन पुत्र स्व0 हरीराम 6. राममिलन पुत्र प्रसाद 7. राजेन्द्र प्रसाद पुत्र स्व0 चन्द्रभूषण 8. रामबहाल (मृतक)
8/1 श्रीमती सुरजा देवी बेवा पत्नी स्व0 रामबहाल 8/2 सुनीता देवी 8/3 सावित्री उर्फ मंजू देवी 8/4 नीलम देवी पुत्रीगण स्व0 रामबहाल निवासी ग्राम लोनहा तप्पा कनैला परगना नगर पूरब तहसील व जिला बस्ती 9. रामकलेस पुत्र स्व0 रामकल्प निवासी ग्राम लोनहा तप्पा कनैला परगना नगर पूरब तहसील व जिला बस्ती
तारीख पेशी 26–05–2025
हरगाह मुद्दई ने एक नालिश इस अदालत में बतारीख माह सन 20 ई0 बनाम मुद्दाअलेह के रूजू की थी, जो बाद की मौत हरगाह मुद्दई मजकूर ने एक दरख्वास्त इस अदालत में गुजारी है कि आप मुतवफ्फा मजकूर का कायम मुकाम कानूनी वारिस है और चाहता है कि बजाय उसके मुद्दाअलेह बनाये जांय।
लिहाजा आपको हुक्म होता है कि बतारीख 26 माह 05 सन 2025 ई0 बवक्त 10 बजे इस अदालत में हाजिर होकर मुकदमा मजकूर जबाबदेही कीजिये और अगर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा वगैर हाजिरी आपके मसमूअ और फैसला होगा।
बवक्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया।
द0 हाकिम

अदालती नोटिस

सम्मन बरगद इनफिसाल मुकदमा (आर्डर 5 कायदा 1 व 5 मजमुआ जाप्ता 200 ई0)
वाद सं0–
अदालत– श्रीमान चकबन्दी अधिकारी सोनूपार बस्ती जिला–बस्ती
मनीराम
बनाम
दयाराम आदि
1. दयाराम पुत्र सरजू 2. दिनेश पुत्र सीताराम 3. उमेश पुत्र रामसुरेश 4. रामधनी पुत्र परशुराम 5. जगदीश पुत्र हरीराम 6. अशोक पुत्र रामसूरत 7. भानमती पत्नी राममूरत 8. रामग्रीष पुत्र सीताराम 9. राकेश पुत्र रामसुरेश 10. सुभावती पत्नी रामसुरेश 11. नन्दलाल पुत्र परशुराम 12. राकेश पुत्र हरीराम 13. विनोद पुत्र राममूरत समस्त निवासीगण मौजा हरखौलिया उर्फ मटियरिया तप्पा कुदरहा परगना महुली पश्चिम तहसील व जिला बस्ती 14. सरकार उ0प्र0 जरिये कलेक्टर महोदय बस्ती
तारीख पेशी 28–04–2025
वाजेह हो कि ने आपके नाम एक नालिस बाबत दायर की है। लिहाजा आपको हुक्म होता है कि आप बतारीख 28 माह 04 सन 2025 ई0 बवक्त 10 बजे दिन बमुकाम असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमे के हालत से करार वाकई वाकिफ किया गया हो और जो कुल उमूर अहम मुतल्लिका मुकदमा जबाब दे सके या जिसके साथ कोई और सरुश हो जो कि जबाब ऐसे सवालात का दे सके हाजिर हों और जबाबदेही दावा कीजिये और हरगाह वही तारीख जो आपके हाजिरी के लिये मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल कत्तई मुकदमा के तजबीज हुई है और आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज को जिनको आप अपनी जबाबदेही के तहत इस्तदलाल करना चाहते हों पेश करें।
आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमुआ और फैसला होगा।
बसख्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया।
द0 हाकिम

कार्यालय आदर्श नगर पंचायत बनकटी-बस्ती

निविदा आमंत्रण सूचना

(ई-प्रोक्यूरमेंट सूचना)

एतदद्वारा सूचित किया जाता है नगर पंचायत ननकटी वस्ती में प०दीनदयाल उपाध्याय नगर विकास योजना के अन्तर्गत निर्माण कार्य कराये जाने है, जिसके लिए ऑन लाइन निविदा आमंत्रित की जाती है। कार्य से सम्बन्धित निविदा प्रपत्र वेवसाइट http://etender.up.nic.in पर उपलब्ध होगा। वेवसाइट पर उपलब्ध निविदा नोटिस में धरोहर धनराशि, निविदा डालने की तिथि, समय, श्रेणी, कार्य करने की अवधि एवं निविदा लागत तथा निविदा के विस्तृत नियम एवं शर्तों का उल्लेख है। ई–निविदादाताओं के सम्बन्ध में विस्तृत जानकारी कार्यालय नगर पंचायत बनकटी, बस्ती से कार्यालय समय व कार्य दिवस में की जा सकती है।

वेबसाईट पर ई–निविदा प्रकाशन की तिथि व समय	तिथि	समय
ई–निविदा पोर्टल पर प्रकाशित किये जाने की तिथि एवं समय	06.05.2025	11:00 AM
ई–निविदा डाउनलोड किये जाने की प्रारम्भ तिथि एवं समय	06.05.2025	11:00 AM
ई–निविदा अपलोड किये जाने की प्रारम्भ तिथि एवं समय	06.05.2025	11:00 AM
ई–निविदा अपलोड किये जाने की अन्तिम तिथि एवं समय	16.05.2025	02:00 PM
ई–निविदा खोलने की तिथि एवं समय	16.05.2025	04:00 PM

(अभिषेक सिंह)	(उमेशचन्द्र विश्वकर्मा)	(ऋचा सिंह)	(उर्मिला)
अवर अभियंता	सहायक अभियंता	अधिशासी अधिकारी	अध्यक्ष
नगर पंचायत बनकटी, बस्ती	नगर पंचायत बनकटी, बस्ती	नगर पंचायत बनकटी, बस्ती	नगर पंचायत बनकटी, बस्ती

पत्रांक. 22 (4)/न०प०बनकटी बस्ती/निविदा आमंत्रण 2025–26 दिनांक 22.04.2025

दैनिक भारतीय बस्ती
संस्थापक सम्पादक स्व. दिनेश चन्द्र पाण्डेय
स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक प्रदीप चन्द्र पाण्डेय द्वारा दर्पण प्रिन्टिंग प्रेस वि0. नया हाल 1–4 A लोहिया काम्पलेक्स जिला पंचायत भवन गांधीनगर बस्ती (उ.प्र.) से मुद्रित एवं प्रकाशित।
प्रबन्ध सम्पादक–दिनेश सिंह
संयुक्त सम्पादक–प्रदीप चन्द्र पाण्डेय
अयोध्या–फैजाबाद कार्यालय–
चतुर्भुजी मंदिर परिसर लक्ष्मण घाट
अयोध्या–फैजाबाद
लखनऊ कार्यालय–
आशियाना चौराहा, एल.डी.ए. कालोनी, सेक्टर एच, कानपुर रोड लखनऊ।
गोरखपुर कार्यालय–
इलाहीबाग गोरखपुर।
मो09450567450 9336715406,
ई.मेलbhartiyabasti@yahoo.com
bhartiyabasti@gmail.com